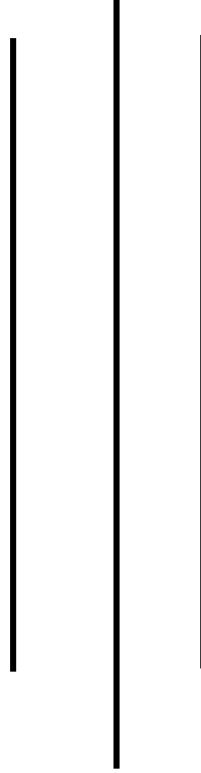




झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग
कालीनगर, चायबगान, नामकोम, राँची-834010
e-mail- jharkhand_ssc@rediffmail.com

विवरणिका



विज्ञापन संख्या-09 / 2023

झारखण्ड औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा-2023 (बैकलॉग)

JITOCCE-2023 (Backlog)

1. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्र संख्या-2082 दिनांक-11.04.2023 के माध्यम से श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, राँची के अन्तर्गत झारखण्ड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा/सम्वर्ग के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण अधिकारी के पदों की संसूचित रिक्तियों के विरुद्ध नियुक्ति के लिए भारत के नागरिकों से विहित प्रपत्र में "झारखण्ड औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा-2023" के लिये ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। उम्मीदवार विवरणिका की विभिन्न कंडिकाओं में विहित शैक्षणिक योग्यता तथा निर्धारित आयु सीमा के अन्तर्गत आवेदन दे सकते हैं। ऑनलाईन (Online) आवेदन आयोग के वेबसाईट www.jssc.nic.in पर लॉग-ईन (Login) करके समर्पित किया जा सकता है।

2. परीक्षा शुल्क:-

परीक्षा शुल्क रू. 100/- (सौ रुपये) है।

परीक्षा शुल्क में छूट:-झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिये परीक्षा शुल्क रू. 50/- (पचास रुपये) है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-8559, दिनांक-23.10.2019 के आलोक में झारखण्ड राज्य के 40% अथवा इससे अधिक निःशक्तता वाले दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा शुल्क में छूट अनुमान्य है। झारखण्ड राज्य के स्थानीय निवासी अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति कोटि से इतर कोटि के अभ्यर्थियों द्वारा रियायती दर पर परीक्षा शुल्क भरे जाने की स्थिति में उनके आवेदन पत्र को रद्द करते हुए उनकी अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जा सकती है। बिना परीक्षा शुल्क भुगतान किये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होंगे और वे रद्द किये जा सकेंगे। परीक्षा शुल्क अप्रतिदेय (Non Refundable) होगा।

पूर्व निर्गत विज्ञापन संख्या-03/2022 एवं 04/2022 तथा विज्ञापन संख्या-17/2022 एवं 18/2022 से संबंधित झारखण्ड औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा-2022 में आवेदन के साथ शुल्क जमा करने वाले वैसे आवेदक जो इस विज्ञापन की शर्तों यथा शैक्षणिक योग्यता, निर्धारित आयु सीमा तथा अन्य अर्हताओं के अंतर्गत आवेदन देने के पत्र होंगे, वैसे आवेदकों को पुनः आवेदन देना होगा। इसके लिए इन्हें पुनः परीक्षा शुल्क नहीं देना होगा, परन्तु उन्हें नये आवेदन पत्र में पूर्व समर्पित आवेदन का निबंधन संख्या (Registration Number) एवं जन्म तिथि दर्ज करना आवश्यक होगा। नये आवेदन पत्र में पूर्व समर्पित आवेदन का निबंधन संख्या (Registration Number) एवं जन्म तिथि दर्ज नहीं करने पर परीक्षा शुल्क में छूट अनुमान्य नहीं होगा।

3. आरक्षित वर्ग के प्रशिक्षण अधिकारी के विभिन्न पदों की नियमित रिक्तियों के विरुद्ध विज्ञापन संख्या-08/2023 प्रकाशित किया गया है, इसमें कुल रिक्ति-904 है। विज्ञापन संख्या-08/2023 एवं 09/2023 दोनों के लिए अहर्ता प्राप्त अभ्यर्थी एक साथ आवेदन कर सकेंगे और इस आशय का विकल्प **online** आवेदन भरने में उपलब्ध रहेगा। दोनों विज्ञापन के लिए आवेदन करने की स्थिति में एक ही परीक्षा शुल्क देय होगा। यदि कोई अभ्यर्थी सिर्फ एक ही विज्ञापन के विरुद्ध आवेदन देते हैं तो वैसी स्थिति में उन्हें एक परीक्षा शुल्क ही देना होगा। दोनों विज्ञापन के लिए एक ही परीक्षा आयोजित की जायेगी।

4.(i) रिक्तियों का विवरण (बैकलॉग) :-

क्र. सं.	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या						
			कुल	कुल रिक्ति के अधीन क्षेत्रीय आरक्षण					
				महिला	खेलकूद कोटा	दिव्यांगता आरक्षण			
अंधापन और कम दृष्टि	बहरापन एवं श्रवण निःशक्तता	चलन निःशक्तता या सेरेब्रल पाल्सी	स्वलीनता, बौद्धिक निःशक्तता एवं बहु निःशक्तता						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	प्रशिक्षण अधिकारी (गणित)	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	03	00					
		3.अनुसूचित जाति	01	00					
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	01	00					
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00					
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00					
		योग :-	05	00					
2.	प्रशिक्षण अधिकारी (फिटर)	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00					
		3.अनुसूचित जाति	00	00					
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00					
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00					
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00					
		योग :-	01	00					
3.	प्रशिक्षण अधिकारी (मेकैनिक् डीजल)	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	02	00					
		3.अनुसूचित जाति	01	00					
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	01	00					
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00					
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00					
		योग :-	04	00					
4.	प्रशिक्षण अधिकारी (सर्वेयर)	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	00	00					
		3.अनुसूचित जाति	00	00					
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00					
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	01	00					
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00					
		योग :-	01	00					
5.	प्रशिक्षण अधिकारी	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00

क्र. सं.	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या							
			कुल	कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण						
				महिला	खेलकूद कोटा	दिव्यांगता आरक्षण				
						अंधापन और कम दृष्टि	बहरापन एवं श्रवण निःशक्तता	चलन निःशक्तता या सेरेब्रल पाल्सी	स्वलीनता, बौद्धिक निःशक्तता एवं बहु निःशक्तता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
	(मेकैनिक् ट्रेक्टर)	2.अनुसूचित जनजाति	00	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	01	00						
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00
6.	प्रशिक्षण अधिकारी (रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कंडिशनर टेकनीशियन)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00	00	00	00	00	00	
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00		
7.	प्रशिक्षण अधिकारी (वायरमैन)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00	00	00	00	00	00	
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00		
8.	प्रशिक्षण अधिकारी (मशीनिस्ट ग्राइन्डर)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	00	00						
		3.अनुसूचित जाति	01	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	01	00	00	00	00	00	00	
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
योग :-	02	00	00	00	00	00	00	00		
9.	प्रशिक्षण अधिकारी (टर्नर)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00	00	00	00	00	00	
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	00	00						

क्र. सं.	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या							
			कुल	कुल रिक्ति के अधीन क्षेत्रीय आरक्षण						
				महिला	खेलकूद कोटा	दिव्यांगता आरक्षण				
						अंधापन और कम दृष्टि	बहरापन एवं श्रवण निःशक्तता	चलन निःशक्तता या सेरेब्रल पाल्सी	स्वलीनता, बौद्धिक निःशक्तता एवं बहु निःशक्तता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
		वर्ग(अनु-I)								
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00
10	प्रशिक्षण अधिकारी (ड्राफ्ट्समैन सिविल)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00	00	00	00	00	00	00
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00
11	प्रशिक्षण अधिकारी (इन्ट्रूमेन्ट मेकैनिक्)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	01	00	00	00	00	00	00	00
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	02	00	00	00	00	00	00	00
12	प्रशिक्षण अधिकारी (इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	02	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00	00	00	00	00	00	00
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	02	00	00	00	00	00	00	00
13	प्रशिक्षण अधिकारी (सिविंग टेक्नोलॉजी / कटिंग एण्ड टेलरिंग)	1.अनारक्षित	00	00						
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	00	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00	00	00	00	00	00	00
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						

क्र. सं.	पदनाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या							
			कुल	कुल रिक्ति के अधीन क्षेत्रीय आरक्षण						
				महिला	खेलकूद कोटा	दिव्यांगता आरक्षण				
						अंधापन और कम दृष्टि	बहरापन एवं श्रवण निःशक्तता	चलन निःशक्तता या सेरेब्रल पाल्सी	स्वलीनता, बौद्धिक निःशक्तता एवं बहु निःशक्तता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
		वर्ग								
		योग :-	01	00	00	00	00	00	00	00
14	प्रशिक्षण अधिकारी (शीटमेटल वर्कर)	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	00	00						
		3.अनुसूचित जाति	01	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00						
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	01	00						
15	प्रशिक्षण अधिकारी [कम्प्यूटर ऑपरेटर-सह-प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट(कोपा)]	1.अनारक्षित	00	00	00	00	00	00	00	00
		2.अनुसूचित जनजाति	01	00						
		3.अनुसूचित जाति	01	00						
		4.अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनु-I)	00	00						
		5. पिछड़ा वर्ग(अनु-II)	00	00						
		6.आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	00	00						
		योग :-	02	00						
कुल योग:-			26	00	00	00	00	00	00	

(ii) कोटिवार रिक्तियों की संख्या (आरक्षण रोस्टर सहित) अधियाची विभाग के अनुरोध के आलोक में संशोधित की जा सकती है।

5. परीक्षा के लिए आवेदन देने के पूर्व अभ्यर्थी यह सुनिश्चित हो लें की वे विज्ञापित पद की पात्रता के विषय पर प्रकाशित सभी शर्तों को पूरा करते हैं। परीक्षा में बैठने की अनुमति पूर्णतः औपबन्धिक होगी। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र निर्गत होना प्रमाणित नहीं करता है कि अभ्यर्थी विज्ञापित पद पर नियुक्ति के लिए चयन हेतु निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं क्योंकि आयोग मुख्य परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों के पात्रता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की प्रारंभिक जाँच करेगा।

6. कंडिका- 4 में वर्णित पदों का वेतनमान एवं न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निम्नवत् है:-

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
1	प्रशिक्षण अधिकारी (गणित)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. इंजीनियरिंग के किसी भी व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में डिग्री/ B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in relevant Trade.</p> <p>Or</p> <p>NCIC in RoDA or any of its variants under DGT.</p>
2	प्रशिक्षण अधिकारी (फिटर)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>फिटर व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the variants under DGT.</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
3	प्रशिक्षण अधिकारी (मैकेनिक डीजल)	वेतनमान (पुनरीक्षित)– Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से ऑटोमोबील/मेकैनिकल इंजीनियरिंग (ऑटोमोबील में विशेषज्ञता) में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से ऑटोमोबील/मेकैनिकल इंजीनियरिंग (ऑटोमोबील में विशेषज्ञता) से तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मैकेनिक डीजल व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT. Must possess valid LMV driving license</p>
4	प्रशिक्षण अधिकारी (सर्वेयर)	वेतनमान (पुनरीक्षित)– Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से सर्वेयर इंजीनियरिंग/सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से सर्वेयर इंजीनियरिंग/सिविल इंजीनियरिंग से तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>सर्वेयर व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
5		वेतनमान (पुनरीक्षित)–	1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
	प्रशिक्षण अधिकारी (मैकेनिक ट्रेक्टर)	Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>कॉलेज/विश्वविद्यालय से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग/ऑटोमोबील/मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ऑटोमोबील में विशेषज्ञता) में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग/ ऑटोमोबील/ मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ऑटोमोबील में विशेषज्ञता) से तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मैकेनिक ट्रेक्टर/मैकेनिक एग्रीकल्चरल मशीनरी व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
6	प्रशिक्षण अधिकारी (रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कंडिशन टेक्नीशियन)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग से तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मैकेनिक रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कंडिशनर व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
7	प्रशिक्षण अधिकारी	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रीकल/इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
	(वायरमैन)	सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से इलेक्ट्रीकल/इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग से तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>वायरमैन व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
8	प्रशिक्षण अधिकारी (मशीनिष्ट ग्राइन्डर)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषयमें एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मशीनिष्ट ग्राइन्डर व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2 अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
9	प्रशिक्षण अधिकारी	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से मेकैनिकल ब्रान्च में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
	(टर्नर)	सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड मेकैनिकल ब्रान्च में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>टर्नर व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
10	प्रशिक्षण अधिकारी (ड्राफ्ट्समैन सिविल)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से सिविल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>ड्राफ्ट्समैन सिविल व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
11	प्रशिक्षण अधिकारी (इन्स्ट्रूमेन्ट मेकैनिक)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इन्स्ट्रूमेंटेशन/इन्स्ट्रूमेंटेशन एण्ड कंट्रोल इंजीनियरिंग में डिग्री/B.Voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
			<p>एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से इन्स्ट्रुमेंटेशन/ इन्स्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>इन्स्ट्रुमेंट मेकैनिक व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
12	प्रशिक्षण अधिकारी (इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. आई०टी०/आई०सी०टी०एस०एम० व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/आई.टी. से इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/UGC मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/ कम्प्यूटर अप्लीकेशन/आई.टी. से स्नातकोत्तर या NIELIT B LEVEL उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/UGC मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/कम्प्यूटर अप्लीकेशन/आई.टी. में स्नातक या NIELIT A LEVEL या PGDCA उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से कम्प्यूटर</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
			<p>साईन्स/आई.टी. में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्ष का अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
13	प्रशिक्षण अधिकारी (सिविंग टेक्नॉलोजी/कटिंग एण्ड टेलरिंग)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. UGC मान्यता प्राप्त कॉलेज/विश्वविद्यालय से फैशन एण्ड अपेरल टेक्नोलॉजी में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से गारमेंट फैब्रीकेशन टेक्नोलॉजी/कॉस्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मेकिंग से डिप्लोमा (न्यूनतम दो वर्षीय) या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>सिविंग टेक्नॉलोजी (भूतपूर्व कटिंग एण्ड सिविंग) व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी० उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
14	प्रशिक्षण अधिकारी (शीटमेटल वर्कर)	वेतनमान (पुनरीक्षित)- Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)	<p>1. AICTE/UGC मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से मेकैनिकल/मेटलर्जी/प्रोडक्शन इंजीनियरिंग/मेकाट्रोनिक्स में डिग्री/B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/ मान्यता प्राप्त तकनीकी शिक्षा बोर्ड से मेकैनिकल एवं एलाईड में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांसड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>शीटमेटल वर्कर में व्यवसाय में एन०टी०सी०/एन०ए०सी०</p>

क्र सं	पदनाम	वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता (जैसा सेवाशर्त नियमावली में विहित है)
			<p>उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>
15	प्रशिक्षण अधिकारी (कोपा)	<p>वेतनमान (पुनरीक्षित)– Level-6 (35400-112400) सेवा समूह 'ख' (अराजपत्रित)</p>	<p>1. कोपा व्यवसाय में एन0टी0सी0/एन0ए0सी0 उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में तीन वर्षीय अनुभव।</p> <p>या</p> <p>AICTE/UGC मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/आई.टी. में डिग्री/ B.voc उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>UGC मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/कम्प्यूटर अप्लीकेशन/आई.टी. से स्नातकोत्तर या NIELIT B LEVEL उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में एक वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>UGC मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइन्स/कम्प्यूटर अप्लीकेशन/आई.टी. से स्नातक/PGDCA या NIELIT A LEVEL उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्ष का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से कम्प्यूटर साइन्स/आई.टी. में तीन वर्षीय डिप्लोमा या DGT अन्तर्गत संबंधित व्यवसाय में एडवांस्ड डिप्लोमा (वोकेशनल) उत्तीर्ण एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता/संबंधन प्राप्त संस्थान/उपक्रम/प्रतिष्ठान से संबंधित क्षेत्र या विषय में दो वर्ष का अनुभव।</p> <p>2. अनिवार्य योग्यता :- Relevant Regular/RPL variants of National Craft Instructor Certificate (NCIC) in any of the Variants under DGT.</p>

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:—

- (i). अभ्यर्थियों को आयोग में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा, अर्थात् शैक्षणिक योग्यता के निर्धारण के लिए Online आवेदन देने की अंतिम तिथि को आधार तिथि (Reference Date) माना जायेगा। यदि कोई अभ्यर्थी इस तिथि तक निर्धारित शैक्षणिक योग्यता नहीं धारित करते हैं तो वे आवेदन भरने के लिए अयोग्य समझे जायेंगे।
- (ii). खेलकूद कोटा के अंतर्गत आरक्षण का दावा कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड के संकल्प संख्या-1709, दिनांक-12.09.2007 द्वारा श्रेणी-‘ख’ के पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु निर्धारित निम्न मानक के अनुसार अनुमान्य होगा :-

क्र०सं०	प्रतियोगिता का स्तर	उपलब्धि
1	अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक कमिटी अथवा उनसे संबंधित फेडरेशनों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता।	मेडल
2	भारतीय ओलम्पिक संघ अथवा उससे सम्बद्ध फेडरेशनों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशीप स्तर की प्रतियोगिता।	प्रथम स्थान
3	राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता।	विश्व रिकार्ड

नोट:- उपर्युक्त अंकित संकल्प संख्या-1709, दिनांक-12.09.2007 आयोग के वेबसाईट www.jssc.nic.in पर उपलब्ध है।

7. आयु सीमा:-कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, राँची के पत्रांक-1673, दिनांक-20.03.2023 के आलोक में उक्त पदों के संदर्भ में उम्र की गणना निम्नलिखित संदर्भ तिथियों के आधार पर की जायेगी :-

क्रम सं०	पदनाम	न्यूनतम उम्र सीमा की गणना हेतु संदर्भ तिथि	अधिकतम उम्र सीमा की गणना हेतु संदर्भ तिथि
1	2	3	4
1	प्रशिक्षण अधिकारी	01.08.2023	01.08.2019

(क) न्यूनतम उम्र सीमा – 21 वर्ष

(ख) अधिकतम उम्र सीमा:- (कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या-609, दिनांक-25.01.2016 एवं संकल्प संख्या-29 दिनांक-04.01.2021 द्वारा यथा संशोधित)

क्र०सं०	कोटि	अधिकतम आयु सीमा	निःशक्त अभ्यर्थियों के लिए
1	अनारक्षित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	35 वर्ष	45 वर्ष
2	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-1) एवं पिछड़ा वर्ग अनुसूची-2 (पुरुष)	37 वर्ष	47 वर्ष
3	महिला [अनारक्षित, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-1) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-2)]	38 वर्ष	48 वर्ष
4	अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति (पुरुष एवं महिला)	40 वर्ष	50 वर्ष

(ग) सभी कोटि के निःशक्त अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 10 (दस) वर्षों की अतिरिक्त छूट दी जायेगी। निःशक्तता संबंधी प्रमाण-पत्र राज्य सरकार द्वारा गठित सक्षम चिकित्सा पर्सद से विहित प्रपत्र (परिशिष्ट- X) में निर्गत होना चाहिए। सभी श्रेणियों में निःशक्तता का दावा तभी मान्य होगा जब निःशक्तता कम से कम 40% (चालीस प्रतिशत) अथवा उससे अधिक हो।

- (i) विहित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र तथा सक्षम प्राधिकार से भिन्न प्राधिकार द्वारा निर्गत होने की स्थिति में निःशक्तता प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।
- (ii) आवेदन समर्पित करने की अंतिम तिथि के पश्चात् निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।

(घ) आयोग द्वारा प्रमाण पत्रों की जाँच के क्रम में आवेदन प्रपत्र में अंकित निःशक्तता संबंधी दावे के अनुरूप निःशक्तता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने की स्थिति में अभ्यर्थी को निःशक्तता कोटि का आरक्षण देय नहीं होगा।

(ङ) भूतपूर्व सैनिकों को अधिकतम आयु सीमा में पाँच वर्षों की अतिरिक्त छूट दी जायेगी। भूतपूर्व सैनिक होने से संबंधित प्रमाण-पत्र यथासमय आयोग द्वारा माँग की जायेगी जिसे प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(च) उम्र में छूट का लाभ उपरोक्त "ग" या "ङ" में कोई एक ही मान्य होगा।

8. निःशक्त अभ्यर्थियों के लिए सुविधा :-

इस श्रेणी के उम्मीदवारों को उनके अनुरोध पर स्क्राइब की सुविधा निम्न शर्तों के अधीन दी जायेगी :-

- i. 40% (चालीस) प्रतिशत अथवा इससे अधिक निःशक्तता वाले अंधापन एवं कम दृष्टि, चलन निःशक्तता (दोनों हाथ प्रभावित) तथा सेरेब्रल पाल्सी की कोटि के अभ्यर्थियों को ही उनके अनुरोध पर स्क्राइब की सुविधा एवं परीक्षा में उत्तर देने के लिए 20 मिनट प्रति घंटा की दर से अतिरिक्त समय प्रदान किया जायेगा। इसके अतिरिक्त निःशक्त कोटि के अन्य अभ्यर्थियों द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन द्वारा लिखने में शारीरिक अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र विहित प्रपत्र (परिशिष्ट-XI) उपलब्ध कराये जाने की स्थिति में स्क्राइब की सुविधा प्रदान की जाएगी।

- ii. वैसे निःशक्त अभ्यर्थियों को ही श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा मिलेगी जिनके प्रवेश पत्र (Admit Card) में Category के समक्ष आरक्षण वर्ग के पश्चात् PH मुद्रित हो।
 - iii. उपर्युक्त कंडिका-(i) में उल्लेखित निःशक्त अभ्यर्थियों द्वारा श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा संबंधी अनुरोध पत्र आयोग कार्यालय में परीक्षा की तिथि से कम से कम 15 दिन पहले समर्पित किया जना अनिवार्य होगा।
 - iv. उपर्युक्त कंडिकाओं में अंकित अनुदेशों का पालन नहीं करने पर आयोग द्वारा श्रुतलेखक/स्क्राइब की सुविधा उपलब्ध नहीं करायी जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित अभ्यर्थी स्वयं ही उत्तरदायी होंगे।
9. I. परीक्षा में बैठने की अनुमति पूर्णतः औपबन्धिक होगी। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र निर्गत होना प्रमाणित नहीं करता है कि अभ्यर्थी विज्ञापित पद पर नियुक्ति के लिए चयन हेतु निर्धारित पात्रता पूरी करते हैं क्योंकि आयोग परीक्षा के बाद किसी भी समय अभ्यर्थियों की पात्रता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की जाँच कर सकता है। निर्धारित जाँच कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने अथवा आवेदन में भरे गये पात्रता सम्बन्धी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने अथवा निर्धारित अवधि अंतर्गत नहीं होने पर आरक्षण/अन्य लाभ अनुमान्य नहीं होगा एवं अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है।
- II. परीक्षा के लिए आवेदन देने के पूर्व अभ्यर्थी यह पूर्णतः सुनिश्चित हो लें कि वे विज्ञापित पद की शैक्षणिक अर्हता, न्यूनतम/अधिकतम आयु सीमा, आरक्षण की कोटि इत्यादि से सम्बन्धी पात्रता के विषय पर विवरणिका की कंडिकाओं में विहित सभी शर्तों को पूरा करते हैं।

10. आरक्षण :

आवेदन में नियत प्रविष्टि के अधीन इंगित आरक्षण का दावा नहीं करने पर आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

10. (I) आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों हेतु स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

(क) आरक्षण का दावा करने वाले सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक-4650, दिनांक-02.06.2016 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से दिनांक-02.06.2016 तथा इसके पश्चात् निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र मान्य होगा जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-VIII पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक-5752 दिनांक 19.07.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 19.07.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत स्थानीय निवास प्रमाण पत्र मान्य होगा। जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-IX पर धारित है।

(ख) 19.07.2019 के पूर्व अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

- (ग) दिनांक-02.06.2016 के पूर्व किसी भी स्तर से निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।
- (घ) परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।
- (ङ) मुख्य परीक्षा के उपरांत अल्पसूचीबद्ध अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के जाँच कार्यक्रम के समय आवेदन पत्र में किये गये दावे के समर्थन में अभ्यर्थियों द्वारा वैध स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र समर्पित किया जाना अनिवार्य होगा।
- (च) पिता/ पति के आधार पर निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र मान्य होंगे। पति के आधार पर निर्गत स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्रों में अभ्यर्थी का नाम भिन्न होने पर प्रमाण पत्रों की जाँच के दौरान इस सम्बन्ध में शपथ पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा।

11.

जाति प्रमाण पत्र-

- (क) झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सन्दर्भ में जिला/अनुमण्डल के उपायुक्त/ अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-I पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 1754 दिनांक 25.02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 25.02.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-II पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक 2669 दिनांक 10.05.2023 द्वारा यथा संशोधित मानक प्रपत्र में दिनांक 10.05.2023 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट- III पर धारित है।

- (ख) झारखण्ड राज्य के अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के सन्दर्भ में दिनांक-29.08.2012 को अथवा इसके पश्चात् उपायुक्त अथवा अनुमण्डल पदाधिकारी के स्तर से निर्गत गैर क्रिमी लेयर जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-IV पर धारित है। किन्तु जाति प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त होने की स्थिति में सम्बन्धित अभ्यर्थियों का कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक-1754 दिनांक-25.02.2019 के अधीन प्रपत्र-15 में गैर क्रिमी लेयर स्वघोषणा पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-V पर धारित है।

अथवा

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के पत्रांक-1754 दिनांक-25.02.2019 के आलोक में दिनांक 25.02.2019 को अथवा उसके पश्चात् अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र जिसका मानक प्रपत्र परिशिष्ट-VI पर धारित है।

- (ग) आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के अध्यक्षीन आरक्षण का लाभ सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी "आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत कर प्राप्त किया जा सकेगा। आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के सदस्य के रूप में अभ्यर्थी के दावे के प्रमाण स्वरूप, विहित प्रपत्र (परिशिष्ट-VII) में उपायुक्त/अनुमण्डल पदाधिकारी/अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र मान्य होगा।
- (घ) दिनांक 25.02.2019 के पूर्व अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत अथवा परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में अंचलाधिकारी के स्तर से निर्गत जाति प्रमाण पत्र/ आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र मान्य नहीं है।
- (ङ) परिशिष्ट में अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र सामान्यतः मान्य नहीं होगा।
- (च) मुख्य परीक्षा के उपरांत अल्पसूचीबद्ध अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के जाँच कार्यक्रम के समय आवेदन पत्र में किये गये दावे के समर्थन में अभ्यर्थियों द्वारा वैध जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र समर्पित किया जाना अनिवार्य होगा।
- (छ) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के संबंध में केन्द्र सरकार में नियुक्ति हेतु केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित विहित प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र (OBC Certificate) मान्य नहीं होगा।
- (ज) शैक्षणिक कार्यों/सेना में भर्ती लिए निर्गत जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र आरक्षण कोटि निर्धारण के लिए अनुमान्य नहीं होगा।
- (झ) पिता के आधार पर निर्गत जाति प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे।
- (ञ) कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-235, दिनांक-10.01.2019 के आलोक में झारखण्ड राज्य में विवाह के आधार पर आव्रजित महिलाओं को आरक्षण का लाभ अनुमान्य नहीं होगा।
- (ट) अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के अभ्यर्थी जो आरक्षण का दावा करते हैं, उनके द्वारा विवरणिका में निर्धारित विहित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र/स्व घोषणा समर्पित करने पर उनकी अभ्यर्थिता अनारक्षित कोटि के रिक्ति तक अनुमान्यता

के सापेक्ष सीमित कर दी जाएगी। ऐसी परिस्थिति में उक्त कोटि के अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता अनारक्षित कोटि के लिए निर्धारित शर्तों के अधीन ही होगी। उक्त स्थिति में अभ्यर्थी को अनारक्षित कोटि के लिए निर्धारित परीक्षा शुल्क आयोग के निदेश पर अनिवार्यतः जमा करना होगा।

नोट:-

- (I) सक्षम स्तर से भिन्न स्तर एवं विवरणिका के परिशिष्ट-I से परिशिष्ट- IX, पर अंकित प्रपत्र से भिन्न प्रपत्र में निर्गत जाति/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र/स्थानीय निवास प्रमाण पत्र सामान्यतः मान्य नहीं होगा तथा ऐसे प्रमाण पत्रों के आधार पर भरे गये आवेदन पत्र नियुक्ति प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर रद्द किये जा सकते हैं, जिसके लिए संबंधित आवेदक स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- (II) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I) एवं पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के अभ्यर्थी द्वारा वैधता समाप्त जाति प्रमाण पत्र समर्पित करने की स्थिति में विवरणिका में अंकित गैर क्रिमी लेयर स्वघोषणा पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा। वांछित घोषणा पत्र समर्पित नहीं करने पर आयोग द्वारा उक्त प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- (III) स्थानीय निवासी/जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र में अंकित आवेदक/आवेदक के पिता/पति के नाम एवं नाम की वर्तनी (spelling) मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में दर्ज वर्तनी (spelling) से भिन्न नहीं होना चाहिए, अन्यथा ऐसे प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।
- (IV) विज्ञापन प्रकाशन की तिथि को झारखण्ड सरकार द्वारा लागू आरक्षण सम्बन्धी सभी नियम प्रभावी होंगे। आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण-पत्र आयोग द्वारा प्रमाण-पत्रों की जाँच के अवसर पर समर्पित करना अनिवार्य होगा।

12. ऑनलाईन (Online) आवेदन को भरने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश:

- (i) आवेदन पत्र को भरने के पूर्व अभ्यर्थी विज्ञापन एवं विवरणिका को डाउनलोड कर लें तथा विवरणिका की शर्तों के अनुसार आवेदन पत्र में सूचना अंकित करें।
 - (क) विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़कर आवेदन भरने के पूर्व अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि जो प्रमाण पत्र आवेदन हेतु आवश्यक हैं वह उनके पास उपलब्ध हैं।
 - (ख) आवेदन भरने के पूर्व अपने फोटो एवं हस्ताक्षर की Scanned प्रति भी अपने साथ रखें।

(ग) सभी प्रमाण पत्रों को ध्यानपूर्वक देख लें कि इन सभी में उनका नाम, पिता का नाम एवं अन्य विवरण सही है अन्यथा आवेदन भरने के पूर्व उसे ठीक करा लें।

(ii) आवेदक अपने नाम की वर्तनी (spelling) वही लिखेंगे जो मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित है। मैट्रिक/10वीं के सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित नाम और आवेदन पत्र में भरे गये नाम की वर्तनी (Spelling) में अंतर नहीं होना चाहिये। आवेदन में नाम से संबंधित सूचना में नाम के आगे श्री/मिस्टर/श्रीमान् आदि शब्दों का व्यवहार नहीं किया जाय।

(iii) आवेदक अपने आवेदन पत्र के यथा निर्धारित स्थान पर वही जन्म तिथि यथा— तिथि, महीना और वर्ष दर्ज करेंगे जो उनके मैट्रिक सर्टिफिकेट/अंक पत्र में अंकित है।

13. Online आवेदन पत्र को भरना एवं समर्पित (Submit) करना : ऑनलाईन आवेदन को भरने के लिए दिए गये दिशा निर्देश का अक्षरशः पालन करें। आवेदन पत्र में दी गई सूचनाओं से संबंधित सभी प्रमाण पत्र सामने रखें एवं पूर्ण संतुष्ट होने के पश्चात ही आवेदन पत्र को जमा (Submit) करें।

i) आवेदन पत्र भरने के लिए सर्वप्रथम आयोग के वेबसाइट www.jssc.nic.in पर जाएँ एवं Online Application for JITOCE-2023 को Click करें तत्पश्चात अपना पंजीकरण (Registration) करें।

ii) पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होते ही आपके मोबाईल फोन एवं ईमेल पर पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड आ जायेगा। पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड को नोटकर सुरक्षित रखें क्योंकि भविष्य में लॉगईन करने के लिए इन दोनों की आवश्यकता होगी।

iii) पंजीकरण संख्या एवं पासवर्ड प्राप्त होते ही पुनः लॉग-ईन कर अपने बारे में विस्तृत सूचना अंकित करें। आवेदन के प्रत्येक पृष्ठ को Save and Continue करने के पश्चात् अगले पृष्ठ की सूचना भरा जाना आवश्यक है। जिस तिथि को आप यह कार्य पूरा कर लेते हैं उसकी अगली तिथि को 12:00 बजे मध्याह्न के पश्चात् पुनः लॉगईन करें एवं परीक्षा शुल्क का भुगतान कर दें।

iv) परीक्षा शुल्क भुगतान करने के एक दिन के बाद पुनः लॉगईन कर परीक्षा शुल्क भुगतान का विवरण तथा अपना स्कैन किया हुआ (Scanned) फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड कर दें। यदि आप अपने अपलोड किये गये फोटो एवं हस्ताक्षर से संतुष्ट हैं तो आवेदन पत्र को समर्पित (Submit) कर आवेदन पत्र का प्रिंटआउट ले लें तथा इसे भविष्य के लिए अपने पास सुरक्षित रखें।

v) आवेदन पत्र समर्पित करने के पूर्व यह अवश्य देख लें कि दी गई जानकारी सत्य है अन्यथा गलत घोषणा पत्र देने हेतु अभ्यर्थिता रद्द करने एवं अन्य कार्रवाई करने पर आयोग निर्णय लेगा।

vi) ऑनलाईन आवेदन में दर्ज सूचनाओं का सत्यापन नियम-7(ख) के अनुसार सम्बन्धित प्रमाण पत्रों के मूल प्रति से प्रमाण पत्रों की प्रारम्भिक जाँच कार्यक्रम में की जायेगी। इस अवसर पर सभी प्रमाण पत्रों के साथ अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इसका अनुपालन नहीं होने की स्थिति में आवेदक की अभ्यर्थिता रद्द समझी जायेगी। ऑनलाईन आवेदन भरने के पूर्व निर्गत प्रमाण पत्रों से भिन्न प्रमाण पत्र देने पर इसे

स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसी स्थिति में आरक्षण/अन्य लाभ देय नहीं होगा/अभ्यर्थिता रद्द समझी जाएगी।

- vii) एक अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक ऑनलाईन आवेदन समर्पित किये जाने की स्थिति में अभ्यर्थी द्वारा अद्यतन अंतिम समर्पित किये ये आवेदन को वैध माना जायेगा तथा पूर्व में समर्पित सभी आवेदनों को रद्द कर दिया जायेगा तथा सम्बन्धित रद्द आवेदनों का परीक्षा शुल्क अप्रतिदेय होगा।

14. आवेदन की प्रविष्टियों में संशोधन:—

दिनांक-28.07.2023 के 11.00 बजे पूर्वाह्न से दिनांक-30.07.2023 के मध्य रात्रि तक ऑनलाईन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी का नाम, जन्म तिथि, ई-मेल आई०डी० एवं मोबाईल संख्या को छोड़कर किसी भी अशुद्ध प्रवृष्टि को संशोधित करने के लिए पुनः लिंक उपलब्ध करायी जायेगी। जिसके माध्यम से वैध अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र की अशुद्धियाँ संशोधित कर सकेंगे। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कोटि के अभ्यर्थियों द्वारा यदि अपने आरक्षण कोटि को अनारक्षित/अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 (अनुसूची-1), पिछड़ा वर्ग-2 (अनुसूची-2) एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग कोटि में संशोधित किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में उक्त अभ्यर्थी को संशोधित कोटि के लिए अनुमान्य परीक्षा शुल्क की अन्तर राशि का भुगतान करना आवश्यक होगा। साथ ही क्वैतिज आरक्षण अंतर्गत द्विव्यांग अभ्यर्थी द्वारा स्वयं को द्विव्यांग श्रेणी से अलग कर दिए जाने की अवस्था में भी उक्त अभ्यर्थी को संशोधित कोटि के लिए अनुमान्य परीक्षा शुल्क की अन्तर राशि का भुगतान करना आवश्यक होगा। संशोधन के उपरांत पुनः भुगतान हेतु सूचना अलग से उपलब्ध करायी जायेगी। संशोधन के उपरांत अंतर राशि शुल्क का भुगतान नहीं करने पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। संशोधन की तिथि के पश्चात् किसी भी प्रविष्टि में सुधार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा और भरे गये आवेदन के आधार पर ही आवेदक के सन्दर्भ में परीक्षा प्रक्रिया पूरी होगी।

15. आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की विभिन्न तिथियाँ :- ऑनलाईन आवेदन पत्र के विभिन्न चरणों को पूर्ण करने की तिथियाँ निम्नवत् हैं:-

- क) रजिस्ट्रेशन करने तथा सूचना दर्ज करने हेतु दिनांक-23.06.2023 से 11.00 बजे पूर्वाह्न से दिनांक-22.07.2023 की मध्य रात्रि तक।
- ख) परीक्षा शुल्क भुगतान करने के लिए दिनांक-24.07.2023 की मध्य रात्रि तक।
- ग) फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड कर आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेने के लिए दिनांक-26.07.2023 की मध्य रात्रि तक।
- घ) दिनांक-28.07.2023 के 11.00 बजे पूर्वाह्न से दिनांक-30.07.2023 के मध्य रात्रि तक ऑनलाईन आवेदन पत्र में की गई किसी भी अशुद्ध प्रवृष्टि को संशोधित करने के लिए पुनः खोली जायेगी जिसके माध्यम से वैध अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र की अशुद्धियाँ संशोधित कर सकेंगे। छूट सहित परीक्षा शुल्क भुगतान करने की स्थिति में शुद्धिकरण का दावा परीक्षा शुल्क भुगतान की राशि तक सीमित होगा।

16. परीक्षा शुल्क भुगतान करने की प्रक्रिया:-

परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए Submit To Proceed Payment Click करें। एक नया पेज खुल जायेगा जिसमें Term & Condition को टिक (√) कर Proceed बटन दबाकर आगे बढ़ें। इसके बाद Select Payment category के सामने JITOCE-2023 Select करें तथा अपना Registration Number डालकर अपना परीक्षा शुल्क का भुगतान करें।

17. **परीक्षा का स्वरूप :-**

आयोग द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) ली जायेगी तथा किसी विषय की परीक्षा यदि विभिन्न समूहों में लिया जाता है तो अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का Normalisation किया जायेगा। Normalisation का सूत्र अलग से आयोग के वेबसाईट पर प्रकाशित है। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों की मेधा सूची उनके प्राप्तांक के Normalised अंक के आधार पर तैयार किया जायेगा तथा परीक्षाफल प्रकाशन के पश्चात उन्हें Normalised अंक ही दिया जायेगा :-

परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम :-परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जायेगी।

18. **प्रशिक्षण अधिकारी के पदों के लिए सीधी नियुक्ति हेतु मुख्य परीक्षा के विषय एवं पाठ्यक्रम :-**

लिखित परीक्षा (CBT MODE में):- लिखित परीक्षा अन्तर्गत (03) तीन पत्र होंगे। लिखित परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर आधारित होंगे। परीक्षा का माध्यम हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में होगा। प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि 02 (दो) घंटे की होगी। तीनों ही पत्रों के प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक के होंगे। सही उत्तर के लिए तीन अंक प्रदान किये जायेंगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 01 (एक) अंक की कटौती की जाएगी।

18.1 **पत्र – 1 : विषय : (भाषा एवं सामान्य ज्ञान)**

भाषा ज्ञान :-	(क) हिन्दी भाषा ज्ञान	—	25 प्रश्न
	(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान	—	25 प्रश्न
सामान्य ज्ञान :-	(क) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	—	30 प्रश्न
	(ख) सामान्य विज्ञान	—	10 प्रश्न
	(ग) सामान्य गणित	—	10 प्रश्न
	(घ) मानसिक क्षमता जाँच	—	10 प्रश्न
	(ङ) कम्प्यूटर का ज्ञान	—	10 प्रश्न

कुल प्रश्न – 120

नोट:- यह पत्र अर्हक (Qualifying) होगा एवं उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत निर्धारित रहेगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जाएँगे। परीक्षा पाठ्यक्रम अनुसूची-1 पर द्रष्टव्य है।

18.2 **पत्र – 2 : विषय : (चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा ज्ञान)**

हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/हो/खड़िया/कुँडुख (उराँव)/कुरमाली/खोरठा/नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़ीया/संस्कृत में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के एक सौ (100) बहुविकल्पीय उत्तर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट:- यह पत्र अर्हक (Qualifying) होगा एवं उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अर्हतांक 30 प्रतिशत निर्धारित रहेगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जाएँगे। परीक्षा पाठ्यक्रम अनुसूची-2 पर द्रष्टव्य है।

18.3 पत्र – 3 : विषय : (तकनीकी ज्ञान)

इस पत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या 120 (एक सौ बीस) होंगी एवं इसका पाठ्यक्रम किसी व्यवसाय (Trades) विशेष के लिए वही होगा जो प्रशिक्षण महानिदेशालय, नई दिल्ली (DGT, New Delhi) के वेबसाइट https://dgt.gov.in/cts_details पर उपलब्ध है (अनुसूची-3)।

टिप्पणी- पत्र-3 तकनीकी ज्ञान की परीक्षा में निम्न न्यूनतम अर्हतांक होगा:-

- अनारक्षित – 40 प्रतिशत
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) – 40 प्रतिशत
- पिछड़ा वर्ग (अनु-II) – 36.5 प्रतिशत
- अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनु-I) – 34 प्रतिशत
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला – 32 प्रतिशत
- आदिम जनजाति समूह – 30 प्रतिशत

नोट:- पत्र 3 (तकनीकी ज्ञान) में प्राप्त अंक के आधार पर आयोग द्वारा व्यवसायवार मेधा सूची का निर्माण किया जायेगा।

19. लिखित परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

- (i) प्रश्न पत्र 1 (भाषा एवं सामान्य ज्ञान) में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रश्न पत्र 2 (चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा ज्ञान) में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों (प्रश्न पत्र 1 एवं प्रश्न पत्र 2) में प्राप्त अंक मात्र अर्हक (Qualifying) होंगे। अभ्यर्थियों के प्रश्न पत्र 3 (तकनीकी ज्ञान) के प्राप्तांक के आधार पर आयोग द्वारा भिन्न-भिन्न व्यवसायों के प्राप्तांकों के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी।
- (ii) मेधा सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (बराबर) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हें अपेक्षाकृत उपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके नाम के अंग्रेजी वर्तनी के वर्णक्रम के अनुसार मेधा का निर्धारण किया जायेगा और इसके निर्धारण के लिए आवेदन में अंकित अंग्रेजी में लिखे गये नाम को आधार माना जायेगा।

- (iii) मेधा सूची गठित करने के पश्चात् विज्ञापित पदों पर नियुक्ति के लिए चयन हेतु निर्धारित पात्रता/अर्हता संबंधी प्रमाण पत्रों की प्रारंभिक जांच की जायेगी। प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के उम्मीदवार के आवेदन पत्र में अंकित दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाती है, तो ऐसी स्थिति में आयोग द्वारा सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों की उपलब्धता के आलोक में मेधा सूची से क्रम के अनुसार उम्मीदवारों को प्रमाण पत्रों की प्रारंभिक जांच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।
- (iv) प्रारंभिक जांच उपरान्त अधियाचना के अनुरूप सफल अभ्यर्थियों की अनुशंसा एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों का मूल आवेदन पत्र एवं स्व-अभिप्रमाणित/हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र आयोग द्वारा प्रशासी/अधियाची विभाग को भेजी जायेगी।
- (v) अनुशंसित अभ्यर्थियों के सभी प्रमाण पत्रों की जांचोपरांत संतुष्ट होने पर नियुक्ति प्राधिकार द्वारा नियुक्ति की कार्रवाई की जायेगी।

20. अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन

विवरणिका की कंडिका-18 के आधार पर मेधा-सूची प्रारूप गठित करने के पश्चात् यथा संभव अपनी सुविधा के अनुसार आयोग के द्वारा अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों का पात्रता/ अर्हता से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की प्रारम्भिक जांच की जायेगी।

प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के उम्मीदवार के आवेदन पत्र में अंकित दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी उम्मीदवारी उक्त कोटि की रिक्ति के लिए स्थापित नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों के विरुद्ध मेधासूची में उपलब्धता के आलोक में निचले क्रम के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा प्रमाण-पत्रों की जांच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

नोट:—आयोग द्वारा अनुशंसित अभ्यर्थियों के सभी प्रमाण पत्रों की जांचोपरांत संतुष्ट होने पर नियुक्ति प्राधिकार द्वारा नियुक्ति की कार्रवाई की जायेगी।

21. नियुक्ति:—

- (i) परीक्षा में सफलता सेवा पदों पर नियुक्ति के लिये कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा, जब तक झारखण्ड सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाय, समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र और पूर्व वृत्त के सम्बन्ध में सभी प्रकार से उपयुक्त है।
- (ii) सेवा में नियुक्तियाँ समय-समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग(अनुसूची-1), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-2) तथा आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिये सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में आदेशों के अधीन होगी।

22. अन्यान्य:-

1. आयोग द्वारा परीक्षाओं के संचालन के अवसर पर झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम, 2001 के प्रावधान प्रभावी होंगे।
2. आवेदन में अंकित सूचनाओं एवं प्रविष्टियों की पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी तथा किसी भी प्रकार की गलत जानकारी के लिए आवेदक स्वयं उत्तरदायी होंगे।
3. विवरणिका में प्रावधानित वांछित शैक्षणिक अर्हता/स्थानीय निवासी/जाति प्रमाण पत्र/आय एवं सम्पत्ति प्रमाण-पत्र/निःशक्तता प्रमाण पत्र के मानक प्रपत्रों की भिन्नता तथा उक्त प्रपत्रों के अन्तर्गत वर्तनी में त्रुटि/अशुद्धि से संबंधित किसी प्रकार के विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
4. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के विषय पर अभ्यर्थी/उनके माता-पिता/अभिभावक द्वारा:-
 - (i) आवेदन प्रपत्र में गलत सूचना देने/गलत प्रमाण पत्र समर्पित करने/जालसाजी करने,
 - (ii) परीक्षा के दौरान अवैध तरीका अपनाने/नकल करने/फर्जी अभ्यर्थी को अपनी जगह पर परीक्षा में बैठाने/कदाचार करने में लिप्त पाये जाने,
 - (iii) प्रमाण पत्रों की जाँच के अवसर पर आयोजित काउन्सेलिंग (Counselling) के दौरान फर्जी प्रमाण-पत्रों/फर्जी पहचान के आधार पर नियुक्ति हेतु चयन सूची में स्थान पा जाने की स्थिति में, वे निम्न दण्ड के भागी होंगे :-
 - (क) अभ्यर्थी की उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।
 - (ख) अभ्यर्थी को आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अगले 2 वर्षों के लिये वंचित कर दिया जायेगा।
 - (ग) अपराधिक घटना की स्थिति में अभ्यर्थी/उनके माता-पिता/अभिभावक यथास्थिति जो भी उत्तरदायी हो, के विरुद्ध विधि के अनुरूप कार्रवाई की जायेगी।
5. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की आवेदन पत्र/उम्मीदवारी निम्न अवस्थाओं में रद्द किया जा सकेगा :-
 - (i) अभ्यर्थी की उम्र परीक्षा में भाग लेने के लिये निर्धारित उम्र सीमा में नहीं होना।
 - (ii) शैक्षणिक योग्यता सहित निर्धारित अर्हताओं को पूरा नहीं करना।
 - (iii) निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा नहीं करना।
 - (iv) आवेदन समर्पित करने की पूर्ण प्रक्रिया का पालन नहीं करना।

- (v) प्रमाण पत्रों की जाँच के अवसर पर उम्मीदवारी के समर्थन में आवश्यक अर्हताओं से सम्बन्धित यथा निर्धारित प्रमाण पत्रों की मूल प्रति निर्धारित समय सीमा के अन्दर प्रस्तुत नहीं करना।
- (vi) आयोग की परीक्षा में नकल करना।
- (vii) आयोग की परीक्षा में अपने बदले किसी अन्य व्यक्ति को फर्जी ढंग से शामिल करना।
- (viii) अभ्यर्थी द्वारा आवेदन में गलत तथ्य देकर परीक्षा में शामिल होने का अधिकार पा जाना, जो किसी भी समय प्रमाणित हो। इस विषय पर आयोग को निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित होगा।
- (ix) आयोग की परीक्षा में शामिल होने के लिये प्रवेश पत्र जारी होना अभ्यर्थी की उम्मीदवारी को संरक्षित नहीं कर सकेगा।
- (x) अभ्यर्थी की उम्मीदवारी रद्द करने के विषय पर निर्णय लेने के पूर्व उसे अपना पक्ष रखने के लिये समुचित अवसर दिया जायेगा तथा पूरे मामले पर सम्यक रूप से विचार करने के उपरान्त आयोग विधिसम्मत निर्णय लेगा।
- (xi) उम्मीदवारी को रद्द करने के विषय पर निर्णय की जानकारी अभ्यर्थी को यथासमय दी जायेगी।
- (xii) परीक्षाफल प्रकाशन होने के 7 दिनों के अन्दर कोई भी परीक्षार्थी विहित प्रपत्र में **500 (पाँच सौ रुपये)** शुल्क के साथ पुर्नमूल्यांकन के लिए आवेदन दे सकेगा। इसका यथाशीघ्र निष्पादन आयोग द्वारा करते हुए परीक्षार्थी को सूचित किया जायेगा।
- (xiii) किसी परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों द्वारा सामूहिक नकल/कदाचार किये जाने की शिकायत होने और जाँच में इसे प्रमाणित पाये जाने पर उक्त परीक्षा केन्द्र पर संपादित परीक्षा को रद्द करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा। परीक्षा रद्द होने की स्थिति में पुनः उसकी परीक्षा नहीं ली जायेगी।
- (xiv) परीक्षा की अवधि में किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र के बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।
- (xv) अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि Online भरा हुआ आवेदन पत्र Submit करने के पूर्व उसे एक बार भली भाँति जाँच ले ताकि कोई त्रुटि न रह जाये।
- (xvi) वैसे अभ्यर्थी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने के हकदार नहीं होंगे जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग/झारखण्ड लोक सेवा आयोग/झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग/अन्य चयन आयोग द्वारा निर्दिष्ट अवधि तक कदाचार के मामलों में

परीक्षा से वंचित कर दिये जाने का आदेश पारित किया गया हो। उम्मीदवारों के परीक्षा में बैठने की पात्रता या अपात्रता के बिन्दु पर आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

- (xvii)** परीक्षा केन्द्र के अन्दर मोबाइल फोन, पेजर, Bluetooth आदि अथवा इस प्रकार का कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना वर्जित होगा। परीक्षा केन्द्र के अन्दर किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पाये जाने पर उस अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी जाती है कि परीक्षा में उपयोग होने वाले वस्तुओं को ही ले जाय। परीक्षा केन्द्र परिसर में शांति एवं अनुशासन बनाये रखना परीक्षार्थियों का दायित्व होगा।

- (xviii)** प्रवेश पत्र (Admit Card) आयोग के Website पर Upload होगा जिसे अभ्यर्थी Download कर परीक्षा में शामिल होंगे। प्रवेश पत्र (Admit Card) डाक से अलग से नहीं भेजा जायेगा। बिना प्रवेश पत्र (Admit Card) के परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

प्रवेश पत्र (Admit Card) में फोटो/हस्ताक्षर में त्रुटि होने पर परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। अतः अभ्यर्थी अंतिम रूप से आवेदन submit करने के पूर्व आवेदन पत्र में अपना फोटो एवं हस्ताक्षर का मिलान सुनिश्चित कर लें।

- (xix)** परीक्षा से संबंधित सभी सूचनाएँ अधिकृत रूप से आयोग के वेबसाइट पर दिया जायेगा।
- (xx)** Online दिये गये आवेदन एवं परीक्षा शुल्क की भुगतान से संबंधित बैंक चालान की प्रति परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्गत प्रवेश पत्र (Admit Card) की प्रति अभ्यर्थी अपने पास सुरक्षित रखेंगे। इन कागजातों की आवश्यकता भविष्य में हो सकती है। प्रमाण पत्रों के जाँच के समय इन्हें अनिवार्यतः जमा करना होगा।
- (xxi)** आयोग को अपरिहार्य कारणों से परीक्षा के कार्यक्रम में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
- (xxii)** प्रवेश पत्र (Admit Card) की मूल प्रति अपने पास सुरक्षित रखें प्रमाण-पत्रों के जाँच के क्रम में आयोग द्वारा इसकी मांग की जाएगी।

ह०/—
परीक्षा नियंत्रक।

परिशिष्ट—(I)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक— 7/जा.नि.
—19—11/2008 का.—5682 दिनांक— 22 अक्टूबर, 2008 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार

(कार्यालय का नाम)

जाति प्रमाण-पत्र
(सभी कार्यों के लिये)

संख्या—.....

तिथि:—.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
पुत्र/पुत्री/पत्नी, श्री निवासी, ग्राम/कस्बा/मोहल्ला
डाकघर..... थाना जिला राज्य.....
अनुसूचित जाति*/अनुसूचित जनजाति* श्रेणी के अन्तर्गत..... जाति/उप जाति
के सदस्य हैं, जो झारखण्ड राज्य के लिये अनुसूचित जाति*/अनुसूचित जनजाति* के रूप में
मान्यता प्राप्त है।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी..... एवं/अथवा उनका/उनकी परिवार साधारणतः
गांव/कस्बा....., शहर....., जिला....., राज्य.....में
निवास करते हैं।

स्थान :-

सक्षम पदाधिकारी का हस्ताक्षर

नाम

दिनांक :-

पदनाम

(कार्यालय की मुहर)

(नोट:- जो लागू नहीं हो, उसे काट दिया जाय।)

- * बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा—23 एवं 24 के अन्तर्गत 5वीं तथा 6वीं अनुसूची में अंकित क्रमशः संविधान (अनुसूचित जाति) संशोधन आदेश 1950 एवं संविधान (अनुसूचित जनजाति) संशोधन आदेश 1950
- * अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002.

परिशिष्ट—(II)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक—
14/जा.नि.—03—13/2015/का. 1754 दिनांक 25.02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/दाखिला हेतु आवेदन करने के लिए अनुसूचित जाति
अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को जाति प्रमाण पत्र जारी किये जाने का फार्म
(कार्यालय का नाम)

प्रमाण पत्र सं० :-

दिनांक :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री पिता श्री.....
...../पति श्री (विवाहित महिला के मामले में)
पता-ग्राम/वार्ड/शहर..... पो०.....थाना.....
जिला/प्रमंडल.....राज्य/संघशासित प्रदेश, झारखण्ड
राज्य में यथा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के अधीनजाति के सदस्य हैं तथा
..... धर्म को मानने वाले हैं।

2. तथा/अथवा उनका परिवार साधारणतया झारखण्ड राज्य के ग्राम/नगर
..... जिला/प्रमंडल में निवास करते हैं।

3. यह प्रमाण पत्र अगले आदेश तक या झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति
की सूची में कोई परिवर्तन होने तक वैध होगा।

टिप्पणी

क) यहाँ प्रयुक्त पद 'साधारणतया निवासी' का वही अर्थ होगा, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की
धारा- 20 में है एवं अंकित स्थान आवेदक के स्व-घोषणा पर आधारित है।

ख) जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारों की सूची निम्नवत् निर्दिष्ट है:-

i) जिला दण्डाधिकारी/ अपर दण्डाधिकारी/ उपायुक्त/ अपर उपायुक्त/ अपर समाहर्ता/
प्रथम श्रेणी दण्डाधिकारी/ अनुमण्डल दण्डाधिकारी/ कार्यपालक दण्डाधिकारी/ सहायक
समाहर्ता एवं सहायक दण्डाधिकारी

ii) अंचल अधिकारी

ग) बिहार पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 23 और 24 के अधीन क्रमशः पाँचवीं और छठी अनुसूची द्वारा
यथासंशोधित संशोधन आदेश 1950 (अनुसूचित जातियों के लिए) तथा संशोधन आदेश 1950 (अनुसूचित
जानजातियों के लिए) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 2002
द्वारा गठित झारखण्ड में रिक्तियों और पदों (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य
पिछड़ा वर्गों के लिए) के लिए आरक्षण अधिनियम 2001।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर

परिशिष्ट (III)

संशोधित

भारत सरकार/झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/दाखिला हेतु आवेदन करने के लिये अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को जाति प्रमाण-पत्र जारी किये जाने का फारम

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
पिता ग्राम/नगर
जिला/प्रमंडल, राज्य/संघशासित प्रदेश
निम्नलिखित के अधीन यथा मान्यताप्राप्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अधीन जाति/जनजाति के सदस्य हैं:-

- * संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950
- * संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950
- * संविधान (अनुसूचित जाति) (संघशासित प्रदेश) आदेश, 1951
- * संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ शासित प्रदेश) आदेश, 1951
- (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची (संशोधन) आदेश, 1956, बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश अधिनियम, 1971 और उत्तर पूर्व क्षेत्रों (पुनर्गठन) अधिनियम 1976 द्वारा यथासंशोधित)
- * संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956
- * संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, अनुसूचित जनजाति आदेश अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा अनुसूचित जनजाति आदेश, 1956 द्वारा यथासंशोधित
- * संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962
- * संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962
- * संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964
- * संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967
- * संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968
- * संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968
- * संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970
- * संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978
- * संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978
- * संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989
- * संविधान (एससी) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1990
- * संविधान (एसटी) आदेश (संशोधन) अध्यादेश अधिनियम, 1991
- * संविधान (एसटी) आदेश (संशोधन) अध्यादेश अधिनियम, 1996
- * संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002
- * संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 2002
- * अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002

2. श्री/श्रीमती/कुमारी तथा/अथवा उनका परि
सामान्य रूप से राज्य/संघशासित प्रदेश के ग्राम/नगर
जिला/प्रमंडल में निवास करते हैं।

3. यह प्रमाण पत्र अगले आदेश तक या झारखंड राज्य के अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति की सूची में कोई परिवर्तन होने तक वैध होगा।

टिप्पणी :

- क. यहाँ प्रयुक्त पद 'साधारणतया निवासी' का वही अर्थ होगा, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 20 में है।
- ख. जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारियों की सूची निम्नवत् निर्दिष्ट है :
- जिला दंडाधिकारी/अपर दंडाधिकारी/उपायुक्त/अपर उपायुक्त/अपर समाहर्ता/प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी/अनुमंडल दंडाधिकारी/तालुका दंडाधिकारी/कार्यपालक दंडाधिकारी/अतिरिक्त सहायक आयुक्त (प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी के पद से अन्यून)
 - मुख्य प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी/अपर प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी/प्रेसीडेंसी दंडाधिकारी।
 - राजस्व पदाधिकारी, जो तहसीलदार के पद से अन्यून होगा।
 - उस क्षेत्र के अनुमंडल पदाधिकारी जहाँ अभ्यर्थी और/अथवा उसका परिवार रहता है।

स्थान

तिथि

हस्ताक्षर

पदनाम

कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट-(IV)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक-7/जाति-19-11/2008 का-10007 दिनांक- 29 अगस्त, 2012 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने के लिए अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग द्वारा प्रस्तुत कया जाने वाला जाति प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
पुत्र/पुत्री ग्राम/शहर
थाना जिला झारखण्ड के रहने वाले/की रहने वाली हैं,
जो झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम-2001*,** की धारा-2 के अन्तर्गत अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-1) तथा पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-2) के अधीन अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यता प्राप्त समुदाय से आते/आती हैं।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या-3482 दिनांक- 10.06.2002 द्वारा अंगीकृत कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या-36012/22/93-स्था0 (एस.सी.टी.) दिनांक- 08.09.1993 की अनुसूची के स्तम्भ-3 में उल्लिखित व्यक्ति/वर्ग (क्रीमी लेयर) में शामिल नहीं हैं।

स्थान :-

सक्षम पदाधिकारी का हस्ताक्षर

नाम

दिनांक :-

पदनाम

(कार्यालय की मुहर)

(नोट:- जो लागू नहीं हो, उसे काट दिया जाय।)

1. * झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की अनुसूची-1 एवं अनुसूची-2 में अंकित जातियाँ/उप जातियाँ।
2. ** झारखण्ड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 की धारा-2 में सन्निहित अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग की जातियों की सूची, जो संकल्प संख्या-3885, दिनांक 05.11.2001, 801 दिनांक 11.02.2003, 3436 दिनांक 28.06.2004, 6337 दिनांक 08.12.2004, 6374 दिनांक 11.12.2004, 368 दिनांक 19.01.2006, 2759 दिनांक 01.06.2006, 3706 दिनांक 15.07.2006, 4447 दिनांक 24.08.2006, 5182 दिनांक 26.09.2006, 1604 दिनांक 28.03.2007, 243 दिनांक 11.01.2008, 5108 दिनांक 23.09.2008, 4450 दिनांक 01.08.2001, 5826 दिनांक 19.09.2011, 697 दिनांक 26.09.2011, 6580 दिनांक 20.10.2011, 8060 दिनांक 17.12.2011 एवं 144 दिनांक 06.01.2012, 2855 दिनांक 27.03.2012 एवं समय-समय पर यथा संशोधित।

पदनाम

कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट-(v)

क्रीमीलेयर रहित होने सम्बन्धी स्व-घोषणा पत्र

(यह आवेदक/आवेदिका द्वारा पूर्व निर्गत क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र के साथ समर्पित किया जायेगा)

मैं पिता

पति/पत्नी निवासी, ग्राम/कस्बा/शहर

..... पोस्ट थाना

अंचल जिला राज्य

एतद् द्वारा घोषित करता/करती हूँ कि मैं
समुदाय का/की हूँ जो कि कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) भारत सरकार, नई दिल्ली के दिनांक 08.09.1993 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 360112/22/93 स्था. (एस.सी.टी.)/ झारखण्ड राज्य के संकल्प संख्या दिनांक में निहित आदेश के अनुसार नियोजन/ नामांकन में आरक्षण के प्रयोजन से भारत सरकार/ झारखण्ड सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग/ अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-I)/ पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-II) के रूप में मान्य है।

2. यह कि मुझे झारखण्ड राज्य के जिला अंचल के द्वारा क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र संख्या दिनांक निर्गत है।

3. मैं यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि विगत तीन वित्तीय वर्ष के दौरान मैं आठ (8) लाख रुपये से कम वार्षिक आय होने के कारण क्रीमीलेयर में नहीं आता/आती हूँ।

4. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं दिनांक 08.09.1993 एवं 13.09.2017 के उपर्युक्त संदर्भित कार्यालय ज्ञापन की अनुसूची के कॉलम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों/वर्गों (सम्पन्न वर्ग) से सम्बन्धित नहीं हूँ।

5. मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि यदि भविष्य में मेरी उपर्युक्त स्व-घोषणा गलत पाई जाती है तो इसके आलोक में प्राप्त आरक्षण एवं अन्य आनुषंगिक सुविधाओं को रद्द करते हुए धारा 193 भा.द.वि. एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मेरे विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

आवेदक/आवेदिका (घोषणाकर्ता) का हस्ताक्षर

परिशिष्ट-(VI)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक-
14/जा.नि.-03-13/2015/का. 1754 दिनांक 25.02.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

झारखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति/शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन हेतु आवेदन करने के लिए अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/ पिछड़ा वर्ग के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जानेवाले क्रीमीलेयर रहित प्रमाण पत्र का प्रपत्र

(कार्यालय का नाम)

प्रमाण पत्र सं० :-

दिनांक :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री पिता श्री.....
...../पति श्री (विवाहित महिला के मामले में)
ग्राम/नगर..... जिला/प्रमंडल.....राज्य/संघशासित प्रदेश
..... जाति के सदस्य हैं, जो झारखण्ड रिक्तियों और पदों के लिए आरक्षण
(अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम 2001 के अधीन पिछड़े
वर्ग (अनुसूची-I और II) के रूप में मान्यता प्राप्त हैं तथा ये धर्म को माननेवाले
हैं।

2. तथा/अथवा उनका परिवार साधारणतया झारखण्ड
राज्य के ग्राम/ नगर जिला/प्रमंडल में
निवास करता है/करते हैं।

3. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय
ज्ञापांक 36012/22/93-स्था. (एस.ई.टी.) दिनांक 08.09.1993 की अनुसूची के स्तम्भ-3 में उल्लिखित
तथा कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या-3482 दिनांक- 10.06.2002
द्वारा यथा अंगीकृत के अधीन क्रीमीलेयर व्यक्ति/वर्ग के सदस्य नहीं हैं।

4. यह प्रमाण पत्र कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-स्था. (एस.ई.टी.) दिनांक 08.09.1993
के अपवर्जनों के नियमानुसार प्रगणित आवेदन तथा उसकी/ उसके माता-पिता द्वारा किये गये घोषणा
के आधार पर जारी किया जाता है तथा यह निर्गत होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध होगा। किन्तु
क्रीमीलेयर में नहीं होने सम्बन्धी अद्यतन स्वधोषणा पत्र (फार्म संख्या-15) संलग्न करने पर इस प्रमाण
पत्र की वैधता स्वधोषणा पत्र समर्पित करने के वित्तीय वर्ष के लिए मान्य होगी।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर

पदनाम

कार्यालय के सील सहित

परिशिष्ट-(VII)

Government of Jharkhand

(Name & Address of the authority issuing the certificate)

INCOME & ASSET CERTIFICATE TO BE PRODUCED BY ECONOMICALLY WEAKER SECTIONS

Certificate No.

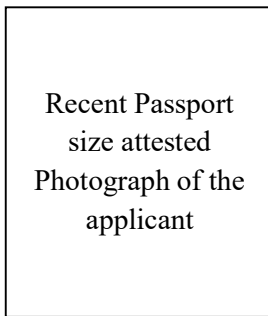
Date

Valid for the Year

This is certify that Shri/Smt./ Kumari son/daughter/wife of permanent resident of village/street post office District in the State/Union Territory Economically Weaker Section, since the gross annual income* of his/her family** is below Rs. 8 Lakh (Rupees Eight Lakh only) for the financial year His/Her family does not own or possess any of the following assets***.

- I. 5 acres of agricultural land and above;
- II. Residential flat of 1000 sq. ft. and above;
- III. Residential plot of 100 sq. yards and above in notified municipalities;
- IV. Residential plot of 200 sq. yards and above in areas other than the notified municipalities.

2. Shri/Smt./Kumari belongs to the caste which is not recognized as a Scheduled Castes, Scheduled Tribe and OBC/EBC-I/BC-II.



Signature with seal of office

Name

Designation

*Note: 1. Income covered all sources i.e. salary, business, profession, etc.

**Note: 2. The term "Family" for this purpose include the person, who seeks benefit of reservation, his/her parents and siblings below the age of 18 years as also his/her spouse and children below the age of 18 years.

***Note: 3. The property held by a "Family" in different places/ cities have been clubbed while applying the land or property holding tests to determine EWS status.

परिशिष्ट-(VIII)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक- 14/स्थानीयता.
नीति-14-03/2016 का.-4650 दिनांक- 02.06.2016 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

(अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा दिनांक- 02.06.2016 अथवा इसके बाद के तिथि में निर्गत
झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र ही मान्य होगा)

झारखण्ड सरकार

(कार्यालय का नाम)
झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र सं० :-

दिनांक :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री
पिता/पति श्री..... पता-ग्राम/वार्ड/शहर..... पो०..
.....थाना..... जिला..... के स्थानीय निवासी हैं और
यह प्रमाण पत्र कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प
संख्या-3198 दिनांक- 18.04.2016 की कंडिका- में उल्लिखित प्रावधानों के आलोक में
निर्गत किया गया है। प्रमाण पत्र धारक की ओर से झारखण्ड के अतिरिक्त किसी अन्य
राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश के स्थानीय निवासी नहीं होने का प्रतिज्ञान की प्रतिबद्धता की गई है।

स्थान :-

दिनांक :-

कार्यालय का मुहर

प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले
पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम

परिशिष्ट-(IX)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक- 5752 दिनांक- 19.07.2019 द्वारा निर्धारित प्रपत्र

(अंचलाधिकारी द्वारा दिनांक-19.07.2019 अथवा इसके बाद के तिथि में निर्गत झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र ही मान्य होगा)

झारखण्ड सरकार

(कार्यालय का नाम)

झारखण्ड का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र सं. :-

दिनांक :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री पिता/पति श्री.....
..... पता-ग्राम/वार्ड/शहर..... पो0.....
थाना..... जिला..... के स्थानीय निवासी हैं और यह प्रमाण पत्र
कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या-3198 दिनांक-
18.04.2016 की कंडिका- में उल्लिखित प्रावधानों के आलोक में निर्गत किया गया है।
प्रमाण पत्र धारक की ओर से झारखण्ड के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश के स्थानीय
निवासी नहीं होने का प्रतिज्ञान की प्रतिबद्धता की गई है।

स्थान :

दिनांक :

कार्यालय का मुहर

प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले
पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम

परिशिष्ट—(X)

संस्थान/अस्पताल का नाम और पता

अनुबन्ध—1

प्रमाण पत्र संख्या.....

तारीख.....

निःशक्तता प्रमाण पत्र

चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा विधिवत प्रमाणित उम्मीदवार का हाल का फोटो जो उम्मीदवार की निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....

.सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री.....आयु.....लिंग.....

पहचान चिन्ह.....निम्नलिखित श्रेणी की स्थायी

निःशक्तता से ग्रस्त—

क. गति विषयक (लोकोमीटर) अथवा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (फॉलिज)

- (i) दोनो टांगे (बी.एल.) — दोनों पैर प्रभावित किन्तु हाथ प्रभावित नहीं
- (ii) दोनों बाहें (बी.ए.) — दोनों बाहें प्रभावित (क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
- (iii) दोनों टांगे और बाहें (बी.एल.ए.) — दोनों टांगे और बाहें प्रभावित
- (iv) एक टांग (ओ.एल.) — एक टांग प्रभावित (दायां बायां)
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (v) एक बांह (ओ.ए.) एक बांह प्रभावित
(क) दुर्बल पहुँच
(ख) कमजोर पकड़
(ग) गति विभ्रम (अटैक्सिस)
- (vi) पीठ और नितम्ब (बी.एच.)— पीठ और नितम्ब में कड़ापन (बैठ और झुक नहीं सकते)
- (vii) कमजोर मांस पेशियां (एन.डब्ल्यू.) — मांस पेशियों में कमजोरी और सीमित शारीरिक सहनशक्ति।

ख. अंधापन अथवा अल्प दृष्टि

- (i) बी.— अंधापन
- (ii) पी. बी.— आंशिक रूप से अंधता

ग. कम सुनाई देना

- (i) डी.— बधिर
- (ii) पी. डी.— आंशिक रूप से बधिर
(उस श्रेणी को हटा दें जो लागू न हो)

2. यह स्थिति में प्रगामी है/गैर प्रगामी है/ इसमें सुधार होने की संभावना है/इसमें सुधार होने की संभावना नहीं है। इस मामले का पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा की जाती।.....वर्षों.....महिनों की अवधि के पश्चात पुनर्निर्धारण किए जाने की अनुशंसा की जाती है।

3. उनके मामले में निःशक्तता का प्रतिशत.....है।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी.....अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं को पुरा करते/करती है:-

- | | |
|--|----------|
| (i) एफ – अंगुलियों को चलाकर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (ii) पी. पी.- धकेलने और खींचने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (iii) एल – उठाने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (iv) के. सी.- घुटनों के बल झुकने और दबक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (v) बी – झुक कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (vi) एस – बैठकर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (vii)एस. टी.- खड़े होकर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (viii)डब्ल्यू – चलते हुए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (ix) एस.ई.- देख कर कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (x) एच – सुनने/बोलने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |
| (xi) आर. डब्ल्यू – पढ़ने ओर लिखने के जरिए कार्य कर सकते/सकती हैं। | हाँ/नहीं |

(डॉ०.....)

सदस्य
चिकित्सा बोर्ड।

(डॉ०.....)

सदस्य
चिकित्सा बोर्ड।

(डॉ०.....)

अध्यक्ष
चिकित्सा बोर्ड।

चिकित्सा अधीक्षक/मुख्य चिकित्सा अधिकारी/
अस्पताल के मुखिया द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित।
(मुहर सहित)

जो लागू न हो काट दें।

परिशिष्ट (XI)

संस्थान/अस्पताल का नाम और पता

प्रमाण पत्र संख्या.....

तारीख.....

लिखने में अक्षमता संबंधी प्रमाण पत्र

मुख्य चिकित्सा
अधिकारी/सिविल
सर्जन द्वारा विधिवत
प्रमाणित उम्मीदवार
का हाल का फोटो जो
निःशक्तता दर्शाता हो।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....

सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री.....आयु.....लिंग.....

पहचान चिन्ह.....स्थायी पता

..... का परीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। जाँचोपरांत
पाया गया कि इनकी शारीरिक अक्षमता इनके लिखने की प्रक्रिया को अवरूद्ध करती है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन
(मुहर सहित)

जो लागू न हो काट दें।

नोट— प्रमाण पत्र संबंधित दिव्यांगता के चिकित्सक द्वारा ही निर्गत किया जाय।
(उदाहरण – अंधापन और कम दृष्टि – चक्षु विशेषज्ञ)

पत्र - 1 (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :-

- (i) हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न - 10 प्रश्न
(ii) हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न - 15 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :-

- (i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न - 10 प्रश्न
(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न - 15 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(सामान्य ज्ञान)

(क) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान:-

झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, भाषा-साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल-खिलाड़ी, व्यक्तित्व, नागरिक उपलब्धियाँ, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय इत्यादि।

झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) सामान्य विज्ञान:-

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन-प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे। जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ग) सामान्य गणित:-

इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) मानसिक क्षमता जाँच:-

इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से संबंधित यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं -सादृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंक गणितीय तर्कशक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(ङ) कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान:-

इसमें कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों, एम.एस. विन्डो ऑपरेटिंग सिस्टम, एम.एस. ऑफिस एवं इंटरनेट संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

संताली भाषा

खण्ड 'क'

(i) **व्याकरण** – भाषा परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरुष, क्रिया, काल, विशेषण अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ मुहावरे, भेनताकाथा, बुझोबोल, कुद्रुम, सजीव-निर्जीव, समोच्चरण भिनार्थक अर्थ, लकोवित ।

खण्ड 'ख'

(ii) साहित्य –

संताली लोक साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भाग-विभाग, संतालों का उद्भव और विकास, गोत्र विभाजन, गाढ़ विभाजन, पर्वत्यौहार, संस्कार विवाह, मृत्यू ।

लोक गीत – डाहार, बाहा, सोहराय काराम, दोड, विबाह, दाँसाय ।

संताली शिष्ट साहित्य – कविता-कुडकुरुबुद, (हरिहर हाँसदा), साँवहेँत, (बादल मुर्मू), माराडोः, (सारदा प्रसाद किस्कू), सेंगेल, बिरसा मुण्डा, (के० सी० टुडू), तुपुनघाट, (रघुनाथ टुडू), साना (डमन हाँसदा), राहला रिमिल (डमन हाँसदा), चेहरा (श्यामचरण हेम्ब्रम) ।

खण्ड 'ग'

लोक कथा – धारती सिरजाव काथा, मानवा सिरजाव काथा पारिस काथा, सेंदराकारका काथा, पाराब पुना काथा ।

कहानी– माडघाटी, (दिगम्बर हाँसदा), तारा आजचार, (के० सी० टुडू), आनखा लाहा, (सोभानाथ बेसरा), काथा रेनाड गोनोड, (चमपावती टुडू)

नाटक – किरिज सिंदुर, तिलका मुरमू ।

निबंध – सिदो कानहू हुल, बाबा तिलका माँझी हुल, डिबा किसुन हुल, बिरसा आन्दोलन, पर्व-त्यौहार, आगिल हापडाम कोवा: काथा ।

खड़िया भाषा

खण्ड 'क'

व्याकरण — वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाच्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

खण्ड 'ख' पद्य साहित्य

(1) लोकगीत :- खड़िया लोकगीत की परिभाषा, वर्गीकरण 10 विविध लोकगीत

(2) शिष्टगीत :-

1. सेनेल — नुवस केरके'ट्टा
2. जोहार — प्यारा केरके'ट्टा
3. गलगथा क्रूस दारु तो'मलुड ताय — पादरी सामुएल बागे
4. दुरडनानिड आलोडनानिड दारु तेगा — श्री सामुएल बागे
5. ए अपा
6. सेनेल
7. धाइन तेरतेले
8. कि'तुड' अपा
9. उमिज चोना — डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लू
10. भंइहर पो'दा — सुं. प्रफुल्ल सोरेड

(3) कविताएँ :-

1. लमलम — प्यारा केरके'ट्टा
2. 26 जनवरी — प्यारा केरके'ट्टा
3. महाजियोम गाँधी — प्यारा केरके'ट्टा
4. झाड़ी धरम मोज — प्यारा केरके'ट्टा
5. किनिर— प्यारा केरके'ट्टा
6. घोल मोलोय अगस्त
7. लोटा' डा' — मेरी एस. सोरेड
8. नेडा' साड़ा
9. बेताड
10. आदिबासी अम' कहनी

खण्ड 'ग'
खड़िया गद्य साहित्य

(1) लोक कथा :- (दस लोककथाएँ) – अनुष्ठान संबंधी कथाएँ, हास्य-व्यंग्यपूर्ण कथाएँ, अलौकिक तत्वों से युक्त कथाएँ, पशु-पक्षी संबंधी कथाएँ, सामाजिक कथाएँ तथा परी कथाएँ।

- (1) सुगी ओडो' मुनी
- (2) कुली बूढी
- (3) ढेला रो उल'
- (4) कोन्होर रो लोडगोय
- (5) टेटेटोहों'ज
- (6) साँखी रो कोइली
- (7) कोनजो' के'ढिड
- (8) चुटिया रो केंडो'ड
- (9) कुरकुर से बेइचडोम
- (10) लिटिया ओडो' चुटिया

(2) शिष्ट कहानी (आधुनिक कहानियाँ) :-

- (1) मोत्र बिता ला'ज – प्रो० मेरी एस० सोरेड
- (2) लूर धो' मसटर – सु० पतरस बा'
- (3) बोरजा' – प्रो. मेरी एस० सोरेड
- (4) बुधवा' कोरमो – सु. पतरस बा'
- (5) महाकिमिन – सु. कुमार बा'
- (6) जिनगी उम बोनेता बायना होयता – सु. जुएल सोरेड
- (7) राजा बेटा' बराकाईत – श्री जुलिमुस बा'
- (8) इना सुग्गी उम तोरो'ताम – रोज टेटे

(3) खड़िया नाटक :- सिलिम खोड़ी या' सोमरा – इलियस बा'

(4) साहित्यिक निबंध :-

- (1) प्यारा केरके'ट्टा
- (2) जुलियुस बा'
- (3) डॉ० रोज केरके'ट्टा
- (4) डॉ० माथियस डुडडुड
- (5) डॉ० जोवा किम डुडडुड
- (6) डॉ० आर. पी. साहू
- (7) डॉ० अनिल वीरेन्द्र कुल्लू
- (8) डॉ० मेरी एस. सोरेड

Odia Language and Literature

1. Grammar :-

Barna, Shabdagathana, Linga, Bachana, Karaka, Bibhakti, Sandhi, Samasa, Yugma Shabda, Bhinnarthaka Shabda, Anekarthaka Shabda, Biparitarthaka Shabda, Krudanta, Taddhita O Chhanda, Alankara.

2. Bhasha Bhaga :-

- A. Bhasha
- B. Upabhasha
- C. Bhasha Parivartanara Karana O Diga
- D. Dhwoni Parivartanara Karana O Diga
- E. Artha Parivartanara Karana O Diga

3. Padya Bhaga :-

- A. Loka Geeta (Doli Geeta, Karama Geeta, Tusu Geeta, Bibaha Geeta O Kandana Geeta)
- B. Shrimad Bhagbat - Jagannath Das
- C. Rasakallola - Dinakrushna Das
- D. Tapaswini - Gangadhara Meher
- E. Kishora Chandrananda Champu - Kabisurya Baladeva Rath
- F. Kalijai - Godabarisha Mishra
- G. Kara Kavita - Gopabandhu Das
- H. Shriyachandaluni - Radhamohan Gadnayak

4. Gadya Bhaga :-

- A. Loka Kahani (Rupakatha, Upakatha, Osha O Bratakatha, Pashupakhyira Katha)
- B. Rebati - Fakir Mohan Senapati
- C. Aneka Smita Hasa - Manoj Das
- D. Chha Mana Atha Guntha - Fakir Mohan Senapati
- E. Paraja - Gopinatha Mahanti
- F. Konarka - Ashwini Kumar Ghosh
- G. Ghara Sangsara - Rama Chandra Mishra
- H. Abishkara - Manoranjan Das

पंचपरगनिया

खण्ड 'क'

व्याकरण :-वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द ।

खण्ड 'ख'

पद्य साहित्य

लोकगीत:-

1. पंचपरगनिया लोकगीत
2. लोकगीत की परिभाषा और महत्व
3. पंचपरगनिया लोकगीतों की विशेषताएँ
4. पंचपरगनिया लोकगीतों में भाव, रस, छंद और कला सुन्दरइ
5. पंचपरगनिया लोकगीतों में प्रकृति चित्रण
6. पंचपरगनिया करम गीतों के प्रकार
7. पंचपरगनिया विवाह गीतों का वर्गीकरण
8. पंचपरगनिया टुसू गीतों का वर्गीकरण
9. पंचपरगनिया विवाह गीतों का भाव सौन्दर्य
10. संहरइ गीतों का वर्गीकरण ।

शिष्टगीत / कविताएँ-

1. सावन मास – सृष्टिधर महतो 'समीर'
2. झागड़ा – सृष्टिधर महतो 'समीर'
3. रावन बध – डॉ० चन्द्रमोहन महतो
4. जीवन पथेक फूल – परमानन्द महतो
5. जीवन पथेक फूल – राजकिशोर सिंह
6. बांबरा (कविता संग्रह) – दिनबंधु महतो एवं परमानन्द महतो
7. महुआ रस – सहोदर खंडित

लोककथा:— पंचपरगनिया लोककथा, संपादक—परमानन्द महतो

1. करमा धरमा केर काथा
2. बारहा आर भालू
3. सतनाराइन काथा
4. जितुआ बरत केर काथा
5. बिएजरी आर पाँचपरी
6. ठकुआ आर भिखुआ
7. मामा—भगिना
8. बिन बापेक छुआ
9. पँटी सनी
10. चालाक बिलाइ

नाटक:—1. इंजत — राजकिशोर सिंह

शिष्टकहानी:— जदि एसन हतक हले का हतक— संतोष साहु 'प्रीतम'

साहित्यकार:—

1. ज्योतिलाल महादानी
2. परमानन्द महतो
3. राजकिशोर सिंह
4. सृष्टिधर महतो
5. संतोष साहु 'प्रीतम'
6. दीनबंधु महतो
7. चन्द्रमोहन महतो
8. करमचन्द अहीर

नागपुरी भाषा

खण्ड— 'क'

व्याकरण :- वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द ।

खण्ड— 'ख'

पद्य साहित्य

1. **नागपुरी भाषा के लोकगीत :-** लोकगीत की परिभाषा, नागपुरी भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण, दस (10) विविध गीतों का अध्ययन ।

1. संस्कार गीत – 03
2. पर्व-त्योहार गीत – 03
3. श्रम गीत – 01
4. बाल गीत – 01
5. ऋतु गीत – 01
6. सामान्य गीत – 01

2. **शिष्ट गीत/कविताएँ :-**

(क) कविताएँ

1. जागा-जागा – सी. डी. सिंह
2. बिरसा तोर इयाइद में – क्षितिज कुमार राय
3. नागपुरक भाइमन – भीम महतो
4. जेठ मास आति – भरत नायक
5. तुलसी आउर कैकटस – धरेन्द्र प्रवाही
6. तोर बेतरा में – गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
7. नावाँ सालक नावाँ गीत – कुमारी बासन्ती
8. गाँव कर सांझ – पांडे रवीन्द्र नाथ राम
9. मुलुक भारत – अजीज अंसारी
10. जगत जननी – शकुन्तला मिश्र

(ख) गीत :-

1. पोड़िलो बरखा ऋतु – रघुनाथ नृपति
2. छोडु कपटी माया – बरजु राम
1. पापी प्राण छुटे नहीं झट के – महंत घांसी
4. ठरू दाता दिगम्बर – घासी राम
- 5 उमड़ि गगन घन घमंड – कवि कंचन
- 6 अरजुन कहत बियारी – जगनिवास नारायण तिवारी
7. संवत पैसठी साल – दृगपाल राम देवघरिया
8. कड़कि उठलक तलवारी – प्रफुल्ल कुमार राय
9. सावन घटा – नईमउद्दीन मिरदाहा
10. आजादी खातिर – रणविजय नाथ शाहदेव

1. नागपुरी लोककथा:— नागपुरी भाषा की कोई दस (10) लोककथाएँ:—

1. कंगन आउर चुरी
2. भाइग कर खेइल
3. टुसुट भेंडा
4. मयना आउर बुट
5. बेलमइत रानी
6. कमल आउर केतकी
7. चोचा चरइ आउर राजा
8. छोटकी रानी
9. बनहरिनी कर बेटा
10. बिन्दुलिया रानी

2. शिष्ट कथाएँ:— नागपुरी भाषा की आठ आधुनिक कहानियाँ:—

1. एक चकता रउद — प्रफुल्ल कुमार राय
2. बिंझिया — शारदा प्रसाद शर्मा
3. रद्दी कागज — डॉ. बी.पी. केशरी
4. क्रिसमस कर सांझ — डॉ. कुमारी बसन्ती
5. भोटांग डहर — पंचम साहु
6. मनपुरन — रणविजय नाथ शाहदेव
7. भाइग — प्रमोद कुमार राय
8. मांदी — डॉ. उमेश नंद तिवारी

3. नाटक — ठाकुर विश्वनाथ साही — डॉ. विसेश्वर प्रसाद केशरी

4. साहित्यिक निबंध :— नागपुरी भाषा के किन्हीं आठ (8) साहित्यकारों का जीवन-परिचय एवं उनकी कृतियों का अध्ययन:—

नागपुरी के साहित्यिक निबंध

1. प्रफुल्ल कुमार राय
2. मृत्युंजय नाथ शर्मा
3. कवि रत्न शारदा प्रसाद शर्मा
4. सहनी उपेन्द्र पाल नहन
5. डॉ. बी.पी. केशरी
6. नईमउद्दीन मिरदाहा
7. डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
8. डॉ. कुमारी वासन्ती

कुरमाली

खण्ड 'क'

व्याकरण:— वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द।

खण्ड 'ख'

गद्य साहित्य

1. लोककथा :-

- (1) बांदना (सेहरेइ परब)
- (2) टसर राजा
- (3) निसारथि के भगवान सारथि
- (4) साधन
- (5) लिलुक कसनि
- (6) माछेक हांसी
- (7) पुइतू
- (8) सियारेक मांदेइर
- (9) राजा घारे बिहा
- (10) धीरजे कारज सिद्ध

2. आधुनिक कहानी –

- (1) छटपटी – बसंत कुमार मेहता
- (2) बानछा – डॉ० एच० एन० सिंह
- (3) दिसा – निरंजन माहतअ
- (4) ढेंकि सांप – सुनिल माहतअ
- (5) धखा – अनन्त माहतअ
- (6) धनेक गरब – डॉ० एच० एन० सिंह
- (7) मकरी – डॉ० एच० एन० सिंह
- (8) गाछ भगवान – डॉ० एच० एन० सिंह

3. नाटक – केरिआ बहु– कालिपद महतो

4. साहित्यकार:— डॉ० नन्द्र किशोर सिंह, लखीकान्त महतो, केशव चन्द्र महतो, बसन्त कुमार मेहता, अनन्त महतो, डॉ० मानसिंह महतो, खुदी राम महतो, डॉ० हरदेव नारायण सिंह।

खण्ड 'ग'

पद्य साहित्य

1. लोकगीत:- लोकगीत की परिभाषा, कुरमाली लोकगीतों का वर्गीकरण कुरमाली लोकगीत – विवाहगीत, डमकच, उधवागीत, ढपगीत डांड़धरा गीत (पांतागीत), करम, एढ़ेइया, बादना (सोहराई) खेलगीत, बालगीत (छवा भुला गीत)

2. शिष्ट गीत :-

- (1) "जे विधि जनम देला, ताहा के बिसरी गेला।"
- (2) "सयने सपने देखी, पलके ना परे आँखी।"
- (3) "रितु बंसत भेल, मर पिया काहां गेल।"
- (4) "लाल कमल दहे, फूल माला उपजये।"
- (5) "वृन्दावने फुटीगेला, नाना जाति फूल गो।"
- (6) "भादर मासे सैया मर पड़ली बेजार, झामें नाचब कइसे।"
- (7) "सुइया मुही बुढ़ियांइ, जीवने सांतावली गो।" – भीमचरण
- (8) "पिया पिया जातिया, बरसा बिती गेल रे।" – बाउलदास
- (9) "आवल माधव बहे मन्द पवनवा।" – तुलसीदास
- (10) "आवल बरिसा हित, हुदकी उठल चित्त।"

आधुनिक कविताएँ :

- (1) उड़ीस
- (2) जागरण
- (3) गनति
- (4) एकटा गाछे दुइटि चरेइ
- (5) जाहाँक झांक तारि
- (6) भगुआ पिंधाक तरहअ
- (7) बिडुल
- (8) बिसरिस ना मांइ
- (9) धंधौरा
- (10) तौय कन

Urdu Language and Literature

(A)

I. ZABAAN (LANGUAGE)

- (1) HINDUSTANI KA IRTIQA
- (2) URDU ZABAAN KI PAIDAISH: NAZARYAAT AUR HAQAIQ KA JAIZA
- (3) JHARKHAND KI QABAILI ELAAQAI ZABAANEN
- (4) JHARKHAND MEN URDU

(B)

II. QAWAID (GRAMMAR)

- (1) MUTRADIFAT, ISM MOSAGGHAR WA MOKABBAR
- (2) SAABIQA WA LAAHIQA, ZARBUL MASL

(C)

III. SHAYERY (POETRY)

GHAZAL (1) ULTI HO GAYIN SAB TADBEEREN KUCHH NA DAWA NE KAAM KIYA (MEER)

- (2) FAQEERANA AAYE SADA KAR CHALE (MEER)
- (3) DILE NADAN TUJHE HUWA KIYA HAI (GHALIB)
- (4) DAYAM PADA HUWA TERE DAR PER NAHIN HUN MAIN (GHALIB)

NAZM (5) LENIN KHUDA KE HUZOOR MEN (IQBAL)

- (6) EK AARZOO (IQBAL)
- (7) NISAR MAIN TERI GALIYON KE AYE WATAN KE JAHAN (FAIZ)
- (8) MUJH SE PAHLI SI MOHABBAT MERI MAHBOOB NA MANG (FAIZ)

(D)

III. NASR (PROSE)

NOVEL (1) FIRE AREA (ILYAS AHMAD GADDI)

AFSANA (2) PARINDA PAKADNE WALI GADI (GHAYAS AHMAD GADDI)

(3) NIRVAAN (ZAKI ANWAR)

(4) MRS. JOHN (SHEEN AKHTAR)

खोरठा भाषा

खण्ड 'क'

व्याकरण:— खोरठा भाषा का वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, उन्वयार्थक शब्द ।

खण्ड— 'ख'

पद्य साहित्य

1. **खोरठा भाषा के लोकगीत** :— लोकगीत की परिभाषा, परिचय, खोरठा भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण, दस (10) विविध गीतों का अध्ययन ।

1. संस्कार गीत (विवाह गीत, सहियारी गीत, छठियारी गीत) —03
2. पर्व-त्योहार गीत (करम गीत —2, सोहराइ गीत— 1)—03
3. श्रम गीत —01
4. बाल गीत —01
5. ऋतु गीत —01
6. सामान्य गीत —01

2. **शिष्ट गीत/कविताएँ** :— खोरठा भाषा की दस (10) प्रतिनिधि कविताएँ एवं दस (10) गीत

(क) **कविताएँ** — एक पथिया डोंगल महुआ” (संकलन/संपादक— संतोष कुमार महतो) से

प्रथम दस (10) कविताएँ।

(ख) **गीत** :—

1. माँदइर बाजे रे, बाँसी बाजे रे — सुकुमार
2. बोने पाकलइ सयौँ कोइर — दिनेश दिनमणि
3. सोहान लागे रे — शांति भारत
4. कते सुंदर छोटानागपुर — दीपक सवाल
5. हामर भारत महान — अम्बुज कुमार
6. मिली के रहिहा — प्रदीप कुमार दीपक
7. साँझे हाँसइ झींगा फूल — महेन्द्र नाथ गोस्वामी
8. बोन रक्षा जीवन रक्षा — अनीता कुमारी
9. सेंवातिक बाउँड़ी मेला — सुभद्रा कुमारी
10. जय माँय जननी — शिवनाथ प्रमाणिक

1. लोककथा :- खोरठा भाषा की दस (10) लोककथाएँ:-

1. सात भाय एक बहिन
2. धनेक धधइनी
3. बुढ़ा बुढ़ी आर सात पीठा
4. गुदपुचु रानी आर कउआ
5. गोहाइल परब
6. बुढ़ी आर ओकर नाती
7. दू बिहाक दुरगति
8. केतकी फूल
9. लुइरगर बेटी छउआ
10. खुँटा भितर चिंयों गोटा

2. शिष्ट कहानी :- खोरठा भाषा की आठ आधुनिक कहानियाँ :-

- | | |
|-------------------|------------------|
| 1. छॉहइर | 2. बोनेक लोर |
| 3. हाम जीयब कइसें | 4. नावा जिमीदार |
| 5. उबार | 6. जिनगिक डोंआनी |
| 7. ओद दीदा | 8. हुब |

3. नाटक – चाभी-काठी, लेखक – श्रीनिवास पानुरी

4. साहित्यिक निबंध :- आठ (8) साहित्यिक निबंध

1. भाइ-बहिन के शुभ प्यार के प्रतीक परब करम (निबंध)
2. फूल कर परब सरहुल आर तकर प्रासंगिकता (निबंध)

5. निम्नलिखित खोरठा साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर निबंध :-

भुवनेश्वर दत्त शर्मा व्याकुल, श्रीनिवास पानुरी ए.के. झा, विश्वनाथ दसौंधी 'राज', विश्वनाथ नागर, शिवनाथ प्रमाणिक, श्याम सुंदर महतो 'श्याम'

हो भाषा

खण्ड 'क'

व्याकरण:—वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

खण्ड 'ख'

पद्य साहित्य

शिष्ट गीत

- (1) तेते: चन्दु
- (2) गोलनचि बा
- (3) अबुअ झारखण्ड
- (4) लको बोदरा
- (5) सिंगि
- (6) हर्ताहसा
- (7) जोनोम दिसुम
- (8) दुल सुनुम जुलो चा
- (9) अबुआ नमा भारत
- (10) दिसुम लगिड

कविताएं:—

- (1) गुसिया – बागुन बोदरा
- (2) होयो गमा – पूर्णचन्द्र बिरुवा
- (3) जिबनान बाड़ा – मदन बानरा
- (4) हुदा समाज – सोनेया कुमार तियु
- (5) जिबोन – नीरज जगमोहन सिंकु "चिनगारी"
- (6) राष्ट्रीय पर्व
- (7) जाति अन्डो दिसुम लगिड
- (8) हर्ताहसा रे टोंयोल
- (9) अले जीबोन रे
- (10) नबु दिसुम रे

अपनी भाषा के लोकगीत –

- लोकगीत की परिभाषा
- अपनी भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण

लोकगीत (विविध) 10 गीत (मागे गीत 3, बा गीत 4, विवाह गीत 3)

1. लोककथा—

- (1) डोंडा हो
- (2) इचः बा
- (3) कुला ओन्डोः बरान्ड
- (4) काः ओन्डोः रमिया गरोवा
- (5) हो ओन्डोः सेता
- (6) काना दादा
- (7) हपानुम
- (8) केपरा तुयु

2. शिष्ट कहानी –

- (1) मेंजारि – प्रिति तियु
- (2) डडु चनटु – दमयन्ती पिंगुवा
- (3) सीनी ओन्डोः अयः अपसराय किंग
- (4) चम्पु ओन्डो दोसमा
- (5) लोदे काका
- (6) सेंया होरा
- (7) सरजोम सकम (प्रदीप कुमार बोदरा)
- (8) हरावयन रयो दइयना

3. नाटक – षार होरा भाग –2

4. साहित्यहिक निबंधः—

- (1) सामू चरण तुबिड
- (2) डॉ० देवेन्द्र नाथ सिंकु
- (3) डॉ० जानुम सिंह सोय
- (4) घनश्याम गागराई
- (5) चन्द्र मोहन पाट पिंगुवा
- (6) डॉ० दमयन्ती सिंकु
- (7) डोबरो बुड़िउली
- (8) डॉ० प्रदीप कुमार बोदरा

मुण्डारी भाषा

खण्ड 'क'

व्याकरण:— वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द।

खण्ड 'ख'

पद्य साहित्य

1. **लोकगीत:**— i. लोकगीतों की परिभाषा, लोकगीतों का वर्गीकरण
ii. लोकगीत— 'बासुरी बज रही' पुस्तक से गीत सं०—11, 13, 214, 167, 349
—'अनायुम दुराड' पुस्तक से गीत सं०—101, 104, 231, 252, 370
2. **शिष्टगीत/कविताएँ:**—
 - 'हिसिर पुस्तक से गीत सं०—68, 77
 - 'सेलेद' पुस्तक से गीत सं०— 1, 4
 - बम्बरू पुस्तक से गीत सं० — 3, 4
 - ससं बा पुस्तक से गीत सं०— 56, 61
 - सुड़ा संगेन पुस्तक से गीत सं०— 13
 - मनोवा—मनोवा रे बिनगा बनो:अ

खण्ड 'ग'

गद्य साहित्य

1. **लोककथा:**—
 - 1 बा नेग
 - 2 कराम कानि
 - 3 सोराइ
 - 4 लीमन आद् रागोसा
 - 5 होन: चतुर
 - 6 गाड़ीअ: सोंगोति
 7. देशेपुती राजा
 - 8 ए हगोया कोव: होन मिसी "पिरी"
 9. मेद आद् सोना दिदि
 - 10 गुपिन कोव: बा

2. शिष्ट कहानी-

1. कुलाए कोअः बलाए
2. बिर होनाः नावा इनुड
3. संदु आर बिंदि
4. बुरु कुला सेंदेरा
5. बिरसा जिमिदार कोअःए जगर एटेः जदा
6. रइगड़ा सअः एते एरे को अउजदा
7. बिरसा सिदा सिदाए सबोः तना
8. पिड़ियुद चेंडे तुदका रेए उकुः जन रअ कानि

3. नाटक- मरड. गोमके जयपाल सिंह मुण्डा

4. साहित्यकारों का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँ:

1. बुद्ध बाबु
2. काशीनाथ सिंह मुण्डा 'काण्डे'
3. डॉ० रामदयाल मुण्डा
4. डॉ० मनमसीह मुण्डू
5. भैयाराम मुण्डा
6. डॉ० एस. ए. बी. डी. हंस
7. डॉ० मनसिद्ध बड़ायऊद
8. मेनास ओड़ेया

बांगला भाषा

1. GRAMMAR : KARAK, BIBHAKTI, EK BAKYA PRAKASH

POETRY: **A.) SANCHAITA** **: Rabindranath Thakur**

- Parash Pathar
- Ebar Firao More
- Aamar Matha Nato Kore
- Balaka
- Eaikyataan

B.) MADHUKARI (EDITED BY KALIDAS ROY)

- | | | |
|----------------------------|---|--|
| a) Era Jadi Jane | - | Kamini Roy |
| b) Jiban Bandana | - | Kaji Najrul Islam |
| c) Aar Kichhu nahi Sadh | - | Budhadev Basu |
| d) Purano Kagojer Feriwala | - | Premendra Mitra |
| e) Hat | - | Jatindranath Sen Gupta (Kabita Sankalan) |

PROSE:

- | | | |
|--------------------------|---|------------------------------|
| a) Krishnakanter will | - | Bankim Chandra Chattopadhyay |
| b) Pather Panchali | - | Bibhuti Bhushan Bandopadhyay |
| c) Mukut (Drama) | - | Rabindranath Thakur |
| d) Sajano Bagan (Drama) | - | Manoj Mitra |
| e) Sahityer Rup O Reeti: | | |

Mahakabya, Geetikabya, Tragedy, Comedy.

Literary Essay:-

1. Micheal Madhu Sudan Dutta
2. Bankim Chandra Chattopadhyay
3. Rabindranath Thakur
4. Sharat Chandra Chattopadhyay
5. Kaji Nazrul Islam
6. Bibhuti Bhushan Bandopadhyay
7. Tarashankar Bandopadhyay
8. Jibonanando Das

कुँडुख

खण्ड-क

कथअइन:- तोडन अख'आ, पिंजका, उइजी पिंजका, मे:द, गनया, ननतु'उद, गुणखी, परिया, ननना (नलड), समका, अव्यय, वाच्य, बकपून ही डाड़ा, बिड़दो बक्क, संगी बक्क ।

खण्ड -ख

पद्य साहित्य

1) डंडी - डंडी ही बकसोर, डंडी घी डाड़ा, बेंजा डंडी, करम डंडी, खद्दी डंडी, असारी डंडी, धुड़िया डंडी, जदुरा डंडी, जतरा डंडी, लुझकी डंडी, तो:कना डंडी, जेठे डंडी ।

2) कथडंडी :

टीप :

1) परिदका जातियर	6) जिया खोदखर'ई
2) असारी करम	7) छोटानागपुर
3) अचरन ची अयंग	8) खेखेल खजंपा
4) खेखलन कम'आ सोना	9) जू:डी
5) अडखा-चेखेल	10) नीन जू:डी

खण्ड -ग

गद्य साहित्य

1) खीरी :

टीप:

1) असुरर दरा लोधरर	(6) पुरखर गहि कुंडी
2) कुँडखर गहि रुइदास ती भोंगना	7) चन्दो अरा बी:डी
3) मुन्धता कुँडखर गहि खीरी	8) मानी गहि दिन जीत मनी
4) चिच्च-चेंप	9) कुँडखर गहि नेग धरम
5) करमस अरा धरमस	(10) लूर मलका देवान

2) कथ खीरी :

टीप :

1) अंजेला	(5) झरियो मला झरना
2) पचगी परिया	6) ठक'उर उन्दुल ठकरनर
3) कुकोय बरात	7) उढारी
4) लॉटरी	8) सक्क

3) लीला (नाटक)

4) कथपंडी कथटूड

उराँव साहित्यकार-

• डॉ० निर्मल मिंज	• डॉ० हरि उराँव	• दवले कुजूर	• अहलाद तिकी
• इन्द्रजीत उराँव	• बिहारी लकड़ा	• बेचन उराँव	• पी०सी० बेक

हिन्दी

1. भाषा

हिन्दी की उत्पत्ति

पुरानी हिन्दी अवहट्ट

डिंगल

भाषा के विभिन्न रूप :- रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।

हिन्दी का शब्द भंडार:- तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशज।

भाषा विज्ञान :- भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विकास, घ्वनि परिवर्तन और अर्थ परिवर्तन।

साहित्य सिद्धान्त :- काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, शब्द-शक्ति, रस, छंद, अंलकार।

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त:-प्लेटो, वर्ड्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड, आइ0ए0 रिचर्ड्स, टी0एस, इलियट के सिद्धान्त।

प्रयोजनमूलक हिन्दी :- अवधारणा, प्रशासनिक हिन्दी, प्रशासनिक पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन।

2. साहित्य

(क) काव्य

निर्धारित कवि- विद्यापति, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, रसखान, भूषण।

(ख) काव्य वीथि

निर्धारित कवि- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, नागार्जुन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और धूमिल।

3. उपन्यास

क. गोदान – प्रेमचन्द।

ख. मैला आँचल – फणीश्वर नाथ रेणु।

ग. रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल।

4. कहानियाँ

- क. मधुआ – जयशंकर प्रसाद
ख. ठाकुर का कुआँ – प्रेमचन्द
ग. नीलम देश की राजकन्या– जैनेन्द्र कुमार
घ. परिन्दे – निर्मल वर्मा
ङ. दिल्ली में एक मौत– कमलेश्वर
च. वापसी – उषा प्रियवंदा
छ. अभिशप्त – यशपाल
ज. मिसपाल – मोहन राकेश

5. नाटक

- क. भारत–दुदर्शा– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ख. ध्रुव स्वामिनी– जयशंकर प्रसाद
ग. आधे– अधूरे– मोहन राकेश

हिन्दी साहित्य का इतिहास–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं० डॉ० नागेन्द्र

व्याकरण :- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक, समास, मुहावरे।

English Language and Literature

1. Language
 - I. Error Recognition
 - II. Fill in the Blanks
 - III. Vocabulary
 - IV. Spellings
 - V. Grammar- Adjective, noun, pronoun, verb, subject-verb Agreement, Interchangeability of noun and Verb, Gerund, Participle, Infinitive, Adverb, tense, Clause, Transformation, Narration, Voice, Preposition.
 - VI. Sentence Structure
 - VII. Synonyms
 - VIII. Antonyms
 - IX. Sentence Completion
 - X. Idioms & Phrases
 - XI. Comprehension Passage etc.
2. Literature
 - **Novel-** Old man and the Sea- Earnest Hemingway; The Painter of signs- R.K. Narayan; The Power and the Glory- Graham Greene; Fasting, Feasting- Anita Desai
 - **Drama-** The Tempest- William Shakespeare; Dr. Faustus- Christopher Marlowe; Final Solutions- Mahesh Dattani, Hayavadana- Girish Karnard.
 - **Poetry-** Sonnet-29- William Shakespeare; The Rainbow- William Wordsworth; The Traveller- Walter De La Mare; Lead Kindly Light- Cardinal Newman; the Splendour Falls- Alfred Lord Tennyson; Ode to a Nightingale - John Keats; The Hollow Men- T.s. Eliot; Telephone conversation- Wole soyinka; A River- A.K. Ramanujan

- **Short Stories-** A Snake in the Grass- R.K. Narayan; The Castaway- Rabindranath Tagore; The man of the House- Frank O'Connor; The Flood- Kamala Markandaya; The country of the Blind- H.G. Wells; The basement Room- Graham Greene.
- **Essay-** Voluntary Poverty- M.K. Gandhi; Discipline for Daily Life- Lewis Mumford; The Civilization of To-day- C.E.M. Joad; Letter to a Teacher- Nora Rossi and Tom Cole (Trans.); Kamala Nehru- Jawaharlal Nehru.
- **History of the English Language :** A History of English Language- A.C. Baugh, Origins of the English Language- Joseph Willies.
- **Phonetics** - A Text Book of English Phonetics for Indian students- Balasubramaniam, A Course in Phonetics - P. Ladefoged.

संस्कृत भाषा

1. भाषा विज्ञान,
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास,
3. वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, आख्यक, उपनिषद्)
4. वेदाङ्ग, (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, ज्योतिष और छन्द)
5. व्याकरण – स्वर-व्यंजन, वर्ण, स्वर, ध्वनि, पद, वाक्य, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण, अव्यय, शब्द रूप, धातु रूप, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय, सन्धि, समास तथा वाक्य रचना पर आधारित होंगे।

पूर्वमेध (कालिदास), उत्तररामचरित (भवभूति), अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक), कादम्बरी (शुक नाशोपदेश), भिक्षुपाल वद्य (प्रथम सर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) तथा शिवराज विजय ग्रन्थों से भी बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

शब्द रूप निम्न शब्दों के (सातों विभक्तियों में)

बालक, लता, नदी, मुनि, गुणिन्, साधु, भवत्, अस्मद्, युस्मद्, तत् (तीनों लिङ्गों में), सर्व, युवती, लेखनी, रेणु, पयस्, वस्तु तथा आत्मन्।

धातु रूप (लट्, लोट्, विधि लिङ्ग, लङ् तथा लृट् लकारों में)

पठ्, गम्, दृश्, पा, हन्, भू, अस्, नृत्, लिख्, दिश्, मुच्, स्था, यच्छ्, शच्, तथा अर्च्।

पत्र – 3 : (तकनीकी ज्ञान)

किसी व्यवसाय (Trades) विशेष के लिए वही पाठ्यक्रम होगा जो प्रशिक्षण महानिदेशालय, नई दिल्ली (DGT, New Delhi) के वेबसाईट https://dgt.gov.in/cts_details पर उपलब्ध है।